



INS ACCREDITED

यूनिक्कॉम

एडवर्टाइजिंग

Email: info@unicomadvertising.com
www.unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

डीएवीपी (केन्द्र सरकार) द्वारा मान्यता प्राप्त-134220

ड्रक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026-28

Sweety

BY

MR

GROUP

Presents

Unique Samay Update

www.uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-246 | सांध्य दैनिक | मथुरा/आगरा संभाग, शुक्रवार, 30 अक्टूबर 2026 | पेज-12 | 5 रुपये | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

बच्चियों की अश्लील वीडियो बेचने वाले बाबा को उम्रकैद

पॉक्सो अदालत ने लगाया 1.43 लाख रुपये का जुर्माना, जेल में बंद है अभियुक्त

प्रसाद का लालच देकर कमरे में ले जाता, अश्लील वीडियो बनाकर विदेशियों को बेचता था

यूनिक्क समय, मथुरा। जैत थाना क्षेत्र के मंदिर में आने वाली छोटी बच्चियों को प्रसाद का लालच देकर उनका यौन शोषण करने और



अश्लील वीडियो बनाकर विदेशियों को बेचने वाले बाबा को अदालत ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। एडीजे स्पेशल पॉक्सो एक्ट द्वितीय ब्रजेश कुमार की अदालत ने अभियुक्त श्याम बिहारी पर 1.43 लाख रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। शासन की ओर से विशेष लोक

इंटरपोल के इनपुट पर शुरू हुई थी जांच

सीबीआई को इंटरपोल के माध्यम से बच्चियों के अश्लील वीडियो बनाकर इंटरनेट पर बेचने की जानकारी मिली थी। इसके बाद एजेंसी ने स्वतः संज्ञान लेते हुए मुकदमा दर्ज किया और जांच शुरू की। करीब 20 दिन तक मंदिर की गतिविधियों पर नजर रखने के बाद कार्रवाई की गई।

अभियोजक रामपाल सिंह ने पैरवी की। मामले में सीबीआई ने इंटरपोल से मिले इनपुट के आधार पर 17 जून 2025 को मुकदमा दर्ज किया था। आरोप था कि जैत क्षेत्र के एक गांव स्थित

पत्नी की मौत के बाद बन गया था बाबा

श्याम बिहारी मूलरूप से एटा का रहने वाला है। करीब दस वर्ष की उम्र में वह सराय आजमाबाद में अपनी बहन के पास आ गया था। यहां साड़ी छपाई के कारखाने में काम करता था। शादी के बाद पत्नी की बीमारी और फिर उसकी मौत के बाद वह बाबा बन गया। बाद में जैत क्षेत्र के एक गांव के मंदिर में रहने लगा। मंदिर की सफाई और पूजा-पाठ की आड़ में वह बच्चियों को निशाना बनाता था।

मंदिर में रहने वाला श्याम बिहारी मंदिर आने वाली बच्चियों को प्रसाद का लालच देकर कमरे में ले जाता था। वहां उनके साथ अश्लील हरकतें कर वीडियो बनाता और इंटरनेट के माध्यम से विदेशियों को बेचता था।

सीबीआई टीम ने जांच के दौरान मंदिर पर करीब 20 दिन तक निगरानी रखी। इसके बाद दबिश देकर श्याम बिहारी पुत्र बोध सिंह निवासी

सराय आजमाबाद को गिरफ्तार कर लिया। सीबीआई ने 18 अगस्त 2025 को न्यायालय में आरोपपत्र दाखिल किया। सुनवाई के दौरान प्रस्तुत साक्ष्यों और गवाहों के आधार पर अदालत ने अभियुक्त को दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास और 1.43 लाख रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अभियुक्त गिरफ्तारी के बाद से ही जेल में निरुद्ध है।

करवाचौथ पर खिला दो सौ करोड़ का चांद, कारोबारियों की चांदी



सराफा बाजार में 120 करोड़ की चमक

सौंदर्य प्रसाधन और साड़ी कारोबार ने भी पकड़ी रफ्तार

मिठाई, गिफ्ट हैपर्स की दुकानों पर देर रात तक लगी रही ग्राहकों की कतार

यूनिक्क समय, मथुरा। करवाचौथ के चांद का दीदार भले ही सुहागिन महिलाओं को नहीं हो सका, लेकिन इस पर्व ने कारोबारियों के चेहरे पर चमक जरूर बिखेर दी। त्योहार ने जिले के बाजारों में ऐसी रौनक बिखेरी कि पिछले एक पखवाड़े से गुलजार बाजारों में करवाचौथ की पूर्व संंध्या तक देर रात तक खरीदारी का सिलसिला चलता रहा।

पर्व को लेकर खरीदारी को आभूषणों से लेकर साड़ियों, सौंदर्य प्रसाधनों, मिठाइयों और उपहारों तक हर बाजार में ग्राहकों की भीड़ उमड़ी। अनुमान के अनुसार, करवाचौथ पर

हल्के जेवरातों ने पूरी की उम्मीद

करवा चौथ पर महिलाओं ने अपनी पसंद और बजट के अनुसार सोने-चांदी के आभूषण खरीदे। सोने की चेन, मंगलसूत्र, अंगुठी, ईयररिंग्स और चूड़ियां ग्राहकों की मुख्य पसंद बने। चांदी के आभूषणों की भी खूब खरीदारी हुई। त्योहार के लिए पहुंची महिलाओं में पारंपरिक और आधुनिक दोनों डिजाइनों के प्रति उत्साह था।

गिफ्ट हैपर्स और मिठाइयों ने भी बटोरी चमक

पारंपरिक मिठाइयों के साथ प्रीमियम ड्राई फ्रूट्स, विदेशी चॉकलेट और कस्टमाइज्ड गिफ्ट हैपर्स का चलन बढ़ा। पतियों ने पत्नी को सप्राइज देने के लिए महंगे परफ्यूम, फोटो फ्रेम और आकर्षक उपहार पैक तैयार कराए। इस कारोबार में करीब 10 करोड़ रुपये की बिक्री हुई। वहीं करवा, सीक, छलनी और पूजन सामग्री के बाजार में लगभग पांच करोड़ रुपये का कारोबार हुआ।

जिले में करीब 200 करोड़ रुपये का कारोबार हुआ। पर्व की रात मिठाई

सराफा बाजार में 120 करोड़ की चमक



करवा चौथ पर सबसे ज्यादा रौनक सराफा बाजार में रही। सोने-चांदी की ऊंची कीमतों के बावजूद आभूषणों की खरीदारी में कमी नहीं आई। मंगलसूत्र, डायमंड रिंग, कंगन और हल्के वजन की डिजाइनर ज्वेलरी की जमकर मांग रही। चांदी के करवा और छलनी भी खूब बिके। सराफा कारोबारियों के अनुसार, जिले में करीब 120 करोड़ रुपये के सोने, चांदी और हीरे के आभूषणों का कारोबार हुआ।

सौंदर्य प्रसाधनों पर खर्च किए 40 करोड़

करवा चौथ पर खास दिखने की चाह में महिलाओं ने ब्यूटी पार्लरों और कॉस्मेटिक दुकानों का रुख किया। हाइड्राफेशियल, ओ-श्री प्लस और एचडी मेकओवर जैसे आधुनिक ब्यूटी ट्रीटमेंट की मांग रही। शहर के कई पार्लरों में दो दिन पहले से ही स्लॉट बुक हो गए थे। ब्रांडेड लिपस्टिक, सिंदूर, नेलपेंट और शृंगार किट की भी खूब बिक्री हुई। इस क्षेत्र में करीब 40 करोड़ रुपये का कारोबार होने का अनुमान है।

साड़ियों और परिधानों पर 40 करोड़ खर्च

कपड़ा बाजार में भी करवाचौथ की खरीदारी का खासा असर दिखाई दिया। लाल, मैरून, रानी गुलाबी और पीले रंग की बनारसी, जॉर्जेट, गोटा-पत्ती और राजपूती बंधेज साड़ियों की मांग रही। युवतियों और नवविवाहिताओं ने इंडो-वेस्टर्न गाउन और हल्के लहंगे पसंद किए। कारोबारियों के अनुसार, पिछले वर्ष के मुकाबले कपड़ा बाजार में करीब 20 प्रतिशत अधिक उठान रहा और कारोबार 40 करोड़ रुपये के पार पहुंच गया।

पर्व आधारित खरीदारी से मजबूत होती स्थानीय अर्थव्यवस्था

अर्थशास्त्री डॉ. मुकुल शर्मा के अनुसार, करवाचौथ जैसे सांस्कृतिक पर्व अब स्थानीय अर्थव्यवस्था के बड़े डिमांड चालक बन रहे हैं। आभूषण, कपड़ा, सौंदर्य सेवाओं और गिफ्टिंग सेक्टर में एक साथ बड़ी धनराशि खर्च होने से बाजार में मल्टीप्लायर इफेक्ट पैदा होता है। इसका लाभ बड़े कारोबारियों के साथ छोटे दुकानदारों, कारीगरों और दिहाड़ी श्रमिकों तक पहुंचता है। त्योहारी खरीदारी से बाजार में नकदी का प्रवाह बढ़ता है और आगामी धनतेरस और दीपावली के कारोबार के लिए भी सकारात्मक माहौल तैयार होता है।

की दुकानों पर पसंदीदा मिठाई खरीदने के लिए भी मारामारी रही। कई दुकानों पर भीड़ के चलते ग्राहकों को मनपसंद मिठाई तक नहीं मिल सकी। त्योहारी मांग ने बाजार में नकदी का प्रवाह बढ़ा दिया। इसका असर छोटे दुकानदारों से

लेकर बड़े शोरूम तक दिखाई दिया। पतियों ने पत्नी को उपहार देने के लिए जहां सोने-चांदी के आभूषणों की खरीदारी की, वहीं महिलाओं ने साज-शृंगार, नए परिधानों और पूजन सामग्री पर भी जमकर खर्च किया।

ब्रजरज उत्सव में हिमाचली शॉल से त्रिपुरा के बांस लैंप तक छाने



ब्रज रज उत्सव में सजी दुकान से खरीदारी करते ग्राहक।

यूनिक्क समय, मथुरा। धौलीप्याऊ स्थित रेलवे मैदान में चल रहे ब्रजरज उत्सव का बाजार ब्रजवासियों को खूब आकर्षित कर रहा है। यहां देश के विभिन्न राज्यों से आए कारीगरों और कारोबारियों ने अपने पारंपरिक उत्पादों की दुकानें सजाई हैं। खरीदारी के साथ लोगों को देशभर की लोककला और संस्कृति की झलक भी मिल रही है। बाजार में हिमाचल की शॉल, स्टोल और टोपियां, त्रिपुरा के बांस से बने लैंप और सजावटी सामान पसंद किए जा रहे हैं। पंजाब और राजस्थान की जूतियां, कश्मीर के परिधान, कोलकाता की सूती साड़ियां, गुजरात के हस्तकरघा उत्पाद और प्रयागराज की खादी जैकेट भी लोगों को लुभा रही हैं।

अज्ञात वाहन ने बाइक में मारी टक्कर पिता-पुत्र घायल

यूनिक्क समय, सुरीर। नौहझील-बाजना मार्ग पर शिव ढाबा के समीप अज्ञात वाहन ने बाइक में पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार पिता-पुत्र घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने एंबुलेंस की मदद से दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नौहझील भिजवाया। जानकारी के अनुसार, राजेश (30) अपने आठ वर्षीय बेटे नितेश के साथ बाइक से जा रहे थे। शिव ढाबा के पास पीछे से आए अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में राजेश के हाथ में फ्रैक्चर हो गया और दाहिने पैर में गंभीर चोट आई। उनका बेटा नितेश भी घायल हो गया। पुलिस ने दोनों को उपचार के लिए सीएचएससी नौहझील पहुंचाया।

अंदर के पेजों की प्रमुख खबरें



अर्नब तूफान से यूपी में बदला मौसम, 20 शहरों में बारिश

पेज-10 पर



दान में मिली धातु की शुद्धता बताएगी मशीन

पेज-12 पर

बादलों में छिपे चांद ने खूब छकाया वीडियो कॉल ने कराया दीदार

पंजाब के चांद से
मथुरा की सुहागिनों ने
खोला व्रत

कहीं फोन की घंटियां
घनघनाई तो कहीं
वीडियो कॉल पर
तलाशा चंद्रमा

यूनिक समय, मथुरा। करवा चौथ की रात सुहागिनों के सत्र का जमकर इम्तिहान हुआ। सोलह शृंगार कर दिनभर निर्जला व्रत रखने वाली महिलाएं शाम होते ही पूजा की थाली सजाकर चंद्रमा के इंतजार में छतों और बालकनी में जा पहुंचीं। पति से लेकर बच्चे तक आसमान में चांद तलाशते रहे, लेकिन बादलों के बीच चंद्रमा के दर्शन नहीं हुए। समय बीतने के साथ सुहागिनों की बेचैनी बढ़ती गई और



चांद की एक झलक पाने के लिए फोन की घंटियां घनघनाने लगीं।

किसी ने छत पर डेरा जमाया तो कोई बार-बार बालकनी से आसमान निहारता रहा। पति मोबाइल लेकर चांद की लोकेशन पूछते दिखे तो महिलाएं रिश्तेदारों और परिचितों को फोन लगाकर जानकारी जुटाती रहीं। एक फोन कटता तो दूसरा मिलाया जाता। व्हाट्सएप पर भी चांद निकलने की खबर तलाशने का सिलसिला चलता रहा। हर किसी के जेहन में एक ही सवाल था कि आखिर चंद्रमा कब दिखाई देगा।

सर्दियों की आहट से सब्जियों के दाम में
नरमी, आलू-प्याज के भाव बरकरार

गोभी, बैंगन, मूली और टमाटर
20 रुपये किलो, गाजर के
दामों में भी आई गिरावट

पुदीना 200 से घटकर 150 रुपये
किलो पर पहुंचा, लेकिन मंडी में
अब भी बनी हुई है किल्लत

यूनिक समय, मथुरा। सर्दियों की आहट के साथ ही सब्जियों के बाजार में अब हल्की नरमी दिखाई देने लगी है। पिछले कुछ दिनों से जहां आलू और प्याज के दामों में कोई खास बदलाव नहीं हुआ है, वहीं गोभी, बैंगन, मूली, धनिया, पुदीना, टमाटर और गाजर जैसी सब्जियों के भाव में मामूली गिरावट देखने को मिल रही है। इससे सब्जी खरीदने पहुंच रहे ग्राहकों को कुछ राहत मिलने लगी है। खासकर मौसमी सब्जियों की आवक बढ़ने के साथ इनके दामों में नरमी का असर बाजार में नजर आने लगा है।

आलू के दाम फिलहाल बरकरार हैं। बाजार में आलू 80 रुपये के पांच किलो मिल रहा है, जबकि प्याज के थोक भाव करीब 40 से 50 रुपये किलो बने हुए हैं। दूसरी ओर गोभी, बैंगन और मूली के दाम घटकर करीब 20 रुपये किलो तक



पहुंच गए हैं। टमाटर भी 20 रुपये किलो बिक रहे हैं। सब्जी विक्रेताओं के अनुसार, सर्दियों का मौसम नजदीक आने के साथ इन सब्जियों की आवक में सुधार होने लगा है, जिसका असर कीमतों पर पड़ रहा है। सब्जी विक्रेता सलीम ने बताया कि गाजर के दामों में भी पिछले 15 दिनों में गिरावट आई है। करीब 15 दिन पहले 30 से 40 रुपये किलो बिकने वाली गाजर अब 20 से 30 रुपये किलो तक मिल रही है। मंडी में धनिया के भाव 40 से 50 रुपये किलो बताए जा रहे हैं। पुदीने की कीमतों में भी कुछ नरमी आई है। पहले 200 रुपये किलो तक बिकने वाला पुदीना अब करीब 150 रुपये किलो तक पहुंच गया है। हालांकि दाम घटने के बावजूद मंडी में पुदीने की शॉर्टज बनी हुई है। आने वाले दिनों में आवक बढ़ने पर सब्जियों के दामों में और गिरावट की उम्मीद जताई जा रही है।

यमुना में कारोबार टप, नाविकों की रोजी-रोटी पर संकट

यूनिक समय, वृंदावन। वृंदावन में यमुना किनारे नावों से सैर करना श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का केंद्र रहा है। यहां आने वाले श्रद्धालु यमुना में नौका विहार कर धार्मिक यात्रा को यादगार बनाते थे, लेकिन पिछले कुछ समय से नाविकों के कारोबार पर असर देखने को मिल रहा है। श्रद्धालुओं की आवाजाही के बावजूद नावों में सफर करने वालों की संख्या कम हो गई है। इसके चलते नाविकों की आमदनी घट गई है और उनके सामने परिवार का भरण-पोषण करने का संकट खड़ा हो गया है।

यमुना में नाव चलाना ही नाविकों की आजीविका का मुख्य साधन है। नाविक मन्नु ने बताया कि वह पिछले पांच वर्षों से यह काम कर रहे हैं। उनके



शुक्रवार को यात्रियों के इंतजार में यमुना किनारे खड़ी नावें।

परिवार में शुरुआत से ही नाव चलाने का काम होता आया है। उन्होंने बताया कि कुछ समय पहले वृंदावन में हुए नाव हादसे, जिसमें कई लोगों की मृत्यु हो गई थी, उसके बाद से श्रद्धालुओं ने नावों में सफर करना काफी कम कर

इस बार अपना चांद ही बना सहारा

आसमान के चांद ने जब सुहागिनों को खूब इंतजार कराया तो कई महिलाओं ने सामने बैठे जीवनसाथी को ही अपना चांद मानकर व्रत खोल लिया। किसी ने पति का चेहरा देखकर पूजा की रस्म निभाई तो किसी ने तस्वीर और वीडियो कॉल के जरिए परंपरा पूरी की। मानो इस बार आसमान के चांद की जगह जिंदगी के हमसफर का दीदार ही व्रत खोलने का सहारा बन गया। चंद्रमा भले ही बादलों में छिपा रहा, लेकिन सुहागिनों के लिए उनका अपना चांद सामने मौजूद था।

पंजाब के चांद से चला काम

अर्नब चक्रवात ने भले ही उत्तर भारत में मौसम खराब किया हो, लेकिन ऐसे में करवा चौथ पर पंजाब में खिला चांद काम आया। रिश्तेदारों ने वीडियो कॉल करके आसमान के चांद को दिखाया, इसके बाद महिलाओं ने व्रत खोला। शुक्रवार को महिला और पुरुषों के बीच चांद को लेकर खूब चर्चे चले।

जब आसमान में चांद के दर्शन नहीं हुए तो महिलाओं ने तकनीक का सहारा लिया। दूसरे शहरों में रह रहे रिश्तेदारों को वीडियो कॉल कर चंद्रमा की झलक मांगी गई। कहीं मोबाइल पर चांद की तस्वीर देखकर पूजा की रस्म निभाई गई तो कहीं परंपरागत तरीके से जल अर्पित कर व्रत खोलने की तैयारी

की गई। रात के 12 बजने तक कई घरों में इंतजार जारी रहा।

बच्चे बार-बार पूछते रहे कि चांद निकला या नहीं, वहीं पति भी पत्नी को चंद्र दर्शन कराने के लिए आसमान निहारते रहे। आखिरकार इंतजार से थकी महिलाओं ने भगवान की मर्जी मानकर व्रत की रस्म पूरी की।

करवाचौथ पर प्रेमी से मिलने पहुंची विवाहिता, पति ने पकड़ा

वसंत विहार कॉलोनी
में पति के पहुंचते ही मचा
हंगामा

देवरानी-जेठानी भिड़ी
मारपीट का वीडियो सोशल
मीडिया पर प्रसारित

यूनिक समय, मथुरा। करवाचौथ पर पति की लंबी उम्र के लिए व्रत रखने के बीच थाना हाईवे क्षेत्र की वसंत विहार कॉलोनी में पारिवारिक विवाद का मामला सामने आया। चार बच्चों की मां प्रेमी से मिलने पहुंची थी। इसकी जानकारी मिलने पर पति मौके पर पहुंच गया। इसके बाद वहां जमकर हंगामा हुआ और परिवार की महिलाओं के बीच मारपीट हो गई। घटना का वीडियो भी इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हो रहा है। बताया गया कि छटीकरा निवासी युवक की शादी करीब 15 वर्ष पहले हुई थी। उसके चार बच्चे हैं। आरोप है कि उसकी पत्नी का गांव के ही एक युवक से प्रेम प्रसंग चल रहा था। करवाचौथ की रात करीब सात बजे



पति को जानकारी मिली कि उसकी पत्नी वसंत विहार स्थित एक मकान में मौजूद है। वह तत्काल वहां पहुंचा और पुलिस को सूचना दी।

मौके पर पुलिस के पहुंचने के दौरान परिवार की महिलाओं के बीच कहासुनी शुरू हो गई। देखते ही देखते विवाद ने मारपीट का रूप ले लिया। देवरानी और जेठानी आपस में भिड़ गईं। दोनों के बीच हुई मारपीट का वीडियो प्रसारित हो रहा है। आसपास मौजूद लोगों ने हस्तक्षेप कर दोनों को अलग कराया। इसी दौरान प्रेमी मौके से चला गया।

सूचना पर पहुंची डायल 112 की टीम पति-पत्नी को थाने ले गई। मकान मालिक भी मौके पर पहुंच गए। क्षेत्राधिकारी प्रवीण तिवारी ने बताया कि शिकायत मिलने पर उसके आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

हादसे के बाद कम ही नावों
में सवार होते हैं श्रद्धालु

कमाने वाले हैं। उनके तीन भाई भी नाव चलाने का काम करते हैं। यमुना में उनके परिवार की चार नावें हैं और चारों भाई इन्हें चलाते हैं। उन्होंने बताया कि कार्तिक महीने में हर साल नावों के कारोबार में कुछ तेजी आती थी, लेकिन इस बार श्रद्धालुओं की भीड़ होने के बावजूद नावों में सफर करने वालों की संख्या कम है। इससे घर का खर्च चलाना भी मुश्किल हो रहा है। उन्होंने कहा कि यदि नावों का कारोबार बंद हो गया तो उनके पास आजीविका का कोई दूसरा साधन नहीं है। यही नाव उनके पूरे परिवार की रोजी-रोटी का सहारा है।

CRRT
(निरन्तर किडनी रिप्लेसमेंट थेरेपी)
(Continuous Renal Replacement Therapy)

किडनी मरीजों का विश्वस्तरीय इलाज, आकाश सिम्स हॉस्पिटल में

डायरेक्टर एवं वरिष्ठ सलाहकार,
नेफ्रोलॉजी एवं इन्टरनल मेडिसिन विभाग
डॉ. आशीष शर्मा
MBBS, DNB, Fellow Nephrology, IIRAV Italy
वरिष्ठ किडनी रोग विशेषज्ञ

CRRT के लाभ
BENEFITS OF CRRT
CRRT उन गंभीर मरीजों के लिए सबसे उपयुक्त है जिनकी किडनी ने काम करना बंदकर दिया हो या जिनके शरीर से विषैले पदार्थ, अतिरिक्त पानी और विषैले तत्वों को हटाने के लिए निरन्तर उपचार की आवश्यकता होती है।
यह किड-फिल रिप्लेसमेंट में मदद करता है?

- Uremia
- Fluid overload
- Acidosis
- Electrolyte imbalance
- Drug toxicity
- Septic shock
- Liver failure
- Lung failure
- Heart failure
- Other multi-organ failure

Call Connect +91-9258113570, 9258113571
टीपीए, हेल्थ इंश्योरेंस एवं बीमा कम्पनियाँ द्वारा कैंशलेस इलाज उपलब्ध
आकाश सिम्स हॉस्पिटल, निकट राधावैली, एन.एच. 19, मथुरा

जंक्शन पर अब खाने-पीने को यात्रियों को नहीं लगानी पड़ेगी दौड़

प्लेटफार्म नंबर एक पर
खुलेंगी तीन नई स्टाल

प्लेटफार्म चार, पांच
और नौ-दस पर पहले
ही शुरू हो चुकी हैं
खानपान की स्टालें

यूनिक समय, मथुरा। जंक्शन रेलवे स्टेशन पर ट्रेनों से सफर करने वाले यात्रियों के लिए अच्छी खबर है। अब स्टेशन पर चाय, नाश्ता और खाने-पीने की अन्य वस्तुओं के लिए यात्रियों को प्लेटफार्मों पर इधर-उधर दौड़ नहीं लगानी पड़ेगी। रेलवे की ओर से स्टेशन पर खानपान की सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। इसके तहत प्लेटफार्म संख्या एक पर तीन नई खानपान स्टालें खोली जाएंगी। इन स्टालों के शुरू होने से यात्रियों को ट्रेन के इंतजार के दौरान ही खाने-पीने की वस्तुएं आसानी से उपलब्ध हो सकेंगी।

जंक्शन पर प्रतिदिन बड़ी संख्या में यात्रियों का आवागमन होता है। यहां से होकर लंबी दूरी की कई महत्वपूर्ण ट्रेनें गुजरती हैं। ऐसे में यात्रियों को खानपान की वस्तुएं खरीदने के लिए कई बार दूसरे प्लेटफार्मों या दूर स्थित स्टालों तक जाना पड़ता है। विशेषकर ट्रेन के कम

मुख्य प्रवेश द्वार पर तैयार
हो रहा फूड प्लाजा

स्टेशन पर खानपान की सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए मुख्य प्रवेश द्वार के सर्कुलैटिंग एरिया में फूड प्लाजा भी तैयार किया जा रहा है। इसके एक नवंबर से शुरू होने की संभावना है। फूड प्लाजा शुरू होने के बाद यात्रियों को स्टेशन परिसर में ही खाने-पीने के लिए एक और बेहतर विकल्प मिल सकेगा।

समय के ठहराव के दौरान यात्रियों को काफी परेशानी होती है। कई बार खाने-पीने का सामान खरीदने के चक्कर में यात्रियों की ट्रेन छूटने तक की नौबत आ जाती है। रेलवे द्वारा प्लेटफार्म संख्या चार, पांच और नौ-दस पर एक-एक खानपान स्टाल पहले ही खोली जा चुकी है। इन स्टालों के माध्यम से यात्रियों को संबंधित प्लेटफार्मों पर ही खाने-पीने का सामान उपलब्ध कराया जा रहा है। अब प्लेटफार्म संख्या एक पर तीन नई स्टालें खोले जाने की तैयारी है। तीनों स्टाल शुरू होने के बाद इस प्लेटफार्म पर यात्रियों को खानपान की वस्तुओं के लिए ज्यादा भागदौड़ नहीं करनी पड़ेगी।

स्टेशन निदेशक सुनील कुमार शर्मा ने बताया कि प्लेटफार्म संख्या एक पर खान-पान की तीन नई स्टालें खोली जाएंगी, जिनकी टेंडर प्रक्रिया शीघ्र शुरू हो जाएगी। सर्कुलैटिंग एरिया में फूड प्लाजा बन रहा है।

वृद्ध महिला ने मकान की फर्जी रजिस्ट्री कराने का लगाया आरोप

पीड़ित वृद्धा ने डीएम से
की शिकायत

यूनिक समय, वृंदावन। मकान और संपत्ति से जुड़े विवाद का एक मामला सामने आया है। एक वृद्ध महिला ने कुछ लोगों पर धोखाधड़ी कर उसके मकान की फर्जी रजिस्ट्री कराने और संपत्ति हड़पने का आरोप लगाया है। पीड़िता ने डीएम को शिकायती पत्र देकर आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है।

शिकायतकर्ता कैलाशा शर्मा पत्नी खुन्नदन प्रसाद शर्मा निवासी गोशाला नगर ने बताया कि मौजा राजपुर बांगर, आनंदमयूर विहार कॉलोनी, वृंदावन में उनका 200 वर्गगज का दो मंजिला मकान है। इसमें आठ कमरे बने हुए हैं। आरोप है कि नारायण सिंह चौधरी पुत्र स्व. रघुवीर सिंह, निवासी गोंरे दाऊजी आश्रम परिक्रमा मार्ग, वृंदावन, हाल निवासी मयूर विहार कॉलोनी ने उनकी जानकारी के



शुक्रवार को परिजन के साथ डीएम से शिकायत करने जाती वृद्धा।

बिना मकान की रजिस्ट्री अपनी पत्नी के नाम करा ली। शिकायत में सावित्री, नारायण सिंह चौधरी और तेज सिंह पुत्र श्यामबाबू, निवासी गीतांजलि अस्पताल के पास, शाहदरा, आगरा के नाम भी शामिल हैं। पीड़िता का आरोप है कि रजिस्ट्री में गलत तथ्यों और चेक से भुगतान का उल्लेख किया गया, जबकि उन्हें कोई धनराशि नहीं मिली।

जमीन का फर्जी बैनाना कराया गया। इसके बाद जमीन के अलग-अलग हिस्सों के संबंध में इकरारनामे भी किए गए। शिकायतकर्ता ने आरोपियों पर षड्यंत्र कर परिवार की जमीन हड़पने और आर्थिक लाभ लेने का प्रयास करने का आरोप लगाया है। मामले में मनोज कुमार गुप्ता, रियांश चौधरी और राजेश सहित दस लोगों के नाम शामिल हैं। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।



शुक्रवार सुबह बूदाबांदी के दौरान सूना पड़ा कृष्णा नगर और होली गेट का बाजार। इस दौरान दुकानदार ग्राहकों का इंतजार करते नजर आए।



बूदाबांदी ने बढ़ाई किसानों की धड़कन



शुक्रवार दोपहर आसमान पर छाए बादल।

अर्नब तूफान की वजह से दूसरे दिन भी हुई बूदाबांदी, बयार से गिरा पारा

कटी धान की फसल भीगने का डर, आलू रोपाई और सरसों बोआई काम बंद

यूनिक समय, मथुरा। खेतों में पककर तैयार खड़ी धान की फसल और कटाई के बाद खेतों में पड़ी उपज पर मौसम की

आगामी दिनों में साफ होगा मौसम, मिलेगी राहत

मौसम विज्ञानी नरेंद्र कुमार ने बताया कि आगामी दिनों में मौसम साफ रहेगा। आज देर रात तक अर्बन चक्रवात का असर बना रह सकता है। मौसम साफ होने के बाद किसान फसलों का काम कर सकते हैं।

मार का खतरा मंडराने लगा है। बंगाल की खाड़ी में सक्रिय चक्रवात अर्नब के असर

चार बीघा धान खेत में पड़ा, मड़ाई टप

किसान रामबाबू ने बताया कि चार बीघा धान काटकर खेत में रखा है। मड़ाई शुरू की थी, लेकिन बूदाबांदी के कारण काम रोकना पड़ा। आठ बीघा फसल अभी खड़ी है। किसान रामजीलाल का कहना है कि धान पककर तैयार है, लेकिन खराब मौसम की आशंका से कटाई करने की हिम्मत नहीं जुट पा रहे हैं। किसानों को डर है कि बारिश से फसल की गुणवत्ता प्रभावित हुई तो उपज का उचित मूल्य मिलना भी मुश्किल होगा। किसान रोहन ने बताया कि आलू रोपाई का काम रोक दिया है।

सब्जियों पर भी मंडराया नुकसान का खतरा

बूदाबांदी से खेतों में जलभराव होने पर भिंडी, पत्तागोभी, मिर्च, फूलगोभी और टमाटर की फसल प्रभावित हो सकती है। अधिक नमी से फसलों में रोग लगने की आशंका है। किसानों को जल निकासी की व्यवस्था करने और तैयार सब्जियों की तुड़ाई कर लेने की सलाह दी गई है। आलू की बोआई के लिए तैयार खेतों में अधिक नमी होने पर कुछ दिन इंतजार करना बेहतर होगा।

से शुक्रवार को बयार के साथ बूदाबांदी हुई। ऐसे मौसम से किसान असमंजस में है। आलू रोपाई और सरसों बोआई का काम फिलहाल टप हो गया है।

गुरुवार के बाद शुक्रवार सुबह से ही आसमान में बादल छाए रहे। बूदाबांदी शुरू होते ही पिछली धान फसल काटने में जुटे किसान परेशान हो गए। जिन किसानों ने फसल को काट लिया था, वे

उसे सुरक्षित स्थान पर रखने में जुट गए। सुबह 11 बजे से पहले तक कभी फुहार और कभी हल्की बूदाबांदी ने किसानों के चेहरों पर शिकन ला दी। आसमान पर छाए बादल शाम तक किसानों को डराते रहे। वहीं, हल्की और तेज बूदाबांदी से शहर से लेकर गांव तक हल्का जलभराव और कीचड़ होने के दृश्य नजर आए।

धान की आवक ने तोड़ा पिछले साल का रिकॉर्ड

यूनिक समय, मथुरा। जिले की प्रमुख मंडी में इस बार धान की आवक ने पिछले साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। पिछले पूरे सीजन में मंडी में 9.52 लाख कुंतल धान पहुंचा था, जबकि इस बार अब तक आवक 12 लाख कुंतल के पार पहुंच चुकी है। सीजन अभी जारी है और बड़ी संख्या में किसानों की फसल बिकने के लिए बाकी है। ऐसे में आवक का आंकड़ा और बढ़ने की उम्मीद है।

धान की बंपर आवक के चलते मंडी में रोजाना किसानों की भीड़ उमड़ रही है। मथुरा के अलावा आसपास के जिलों के किसान भी अपनी उपज बेचने यहां पहुंच रहे हैं। सुबह से ही ट्रैक्टर-ट्रॉलियों में धान भरकर किसान मंडी पहुंच जाते हैं। एक साथ बड़ी संख्या में किसानों के आने से खरीद प्रक्रिया प्रभावित हो रही है और उन्हें अपनी फसल बेचने के लिए



शुक्रवार को मंडी में धान की तौलाई करते श्रमिक।

इंतजार करना पड़ रहा है। इस बार पिछले साल के मुकाबले करीब ढाई लाख कुंतल अधिक धान मंडी पहुंच चुका है। मंडी सचिव रंजू वर्मा ने बताया कि किसान एक साथ फसल लेकर पहुंचते हैं, जिससे खरीद के समय अव्यवस्था की स्थिति बन जाती है।

पिछले पूरे सीजन में आया था 9.52 लाख कुंतल धान

इस बार अब तक 12 लाख कुंतल के पार पहुंची आवक

दूसरे जिलों के किसान भी यहां धान बेचने आ रहे हैं। पहले मंडी पहुंचने वाले किसानों की उपज पहले खरीदी जाती है। उन्होंने किसानों से अपील की कि मौसम की स्थिति को देखते हुए ही धान लेकर मंडी आए। किसानों को बार-बार इस संबंध में बताया जा रहा है, लेकिन वे सुबह से ही उपज लेकर पहुंच जाते हैं। इससे मंडी में भीड़ बढ़ने के साथ खरीद व्यवस्था पर दबाव बन रहा है।

किसानों के खाते में बरसे 44.82 करोड़ रुपये

यूनिक समय, मथुरा। शुक्रवार का दिन जिले के किसानों के लिए खुशी लेकर आया। रबी फसल बोआई के सीजन के दौरान किसानों को 44.82 करोड़ रुपये मिले गए। करीब 2.44 लाख किसानों के खाते में यह धनराशि आई है। अब किसान इस धनराशि से खाद- बीज और खेती आदि से जुड़ी समस्या का समाधान कर सकेंगे।

केंद्र सरकार प्रति साल किसानों को पीएम किसान सम्मान निधि के तौर पर छह हजार रुपये देती है। दो- दो हजार की तीन किस्तों में मिलने वाली यह धनराशि सीधे किसानों के खाते में आती है। आज जिले के 244122 किसानों के खातों में यह धनराशि पहुंची तो खुश नजर आए। गांव बिसु के



केवीके में शुक्रवार को पीएम नरेन्द्र मोदी के लाइव प्रसारण को देखते किसान।

किसान रोहन ने बताया कि इस धनराशि से गेहूं बोआई के लिए बीज खरीद लेंगे। वहीं, दोपहर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बनासकांठा, गुजरात से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 24वीं किस्त जारी की। इससे जुड़ा कार्यक्रम दुवासु स्थित कृषि विज्ञान केंद्र में किया गया, जिसमें

जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और किसानों ने सहभागिता की। जिले के ब्लाक मुख्यालयों में भी इस कार्यक्रम का प्रसारण देखा गया।

प्रभारी उप कृषि निदेशक आवेश कुमार सिंह ने बताया कि पीएम किसान सम्मान निधि की यह राशि जिले के 2,44,122 कृषकों के बैंक खातों में

जिले के 2.44 लाख किसानों को मिला पीएम किसान सम्मान

खाते में आई 24 वीं किस्त, बीज-खाद लेने में मिलेगी राहत

भी भेजी गई। किसानों को करीब 44.82 करोड़ मिले। केवीके और ब्लाक मुख्यालयों में हुए कार्यक्रम में कृषकों को योजना के उद्देश्यों, पात्रता और कृषि कार्यों में प्राप्त होने वाली आर्थिक सहायता के महत्व के संबंध में भी जानकारी दी गई।

यम द्वितीया मेले को राजकीय दर्जा देने की मांग



यम द्वितीय पर्व को राजकीय पर्व घोषित करने की मांग को लेकर डीएम चंद्रप्रकाश सिंह को ज्ञापन देते माथुर चतुर्वेद के पदाधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। यम द्वितीया (भाई दूज) मेले को राजकीय मेला घोषित करने की मांग उठी है। श्री माथुर चतुर्वेद परिषद ने डीएम चंद्रप्रकाश सिंह को ज्ञापन सौंपकर 10 और 11 नवंबर को आयोजित होने वाले मेले के लिए स्थायी सुविधाएं विकसित कराने की मांग की है।

परिषद पदाधिकारियों ने कहा कि यम द्वितीया पर विश्राम घाट पर भाई-बहन यमुना में स्नान करते हैं। इस परंपरा में शामिल होने के लिए देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु मथुरा पहुंचते हैं, लेकिन हर साल अस्थायी व्यवस्थाओं के कारण उन्हें परेशानी उठानी पड़ती है। ज्ञापन में यमुना के पल्लीपार स्थायी घाट बनाने, विश्राम घाट को राधाकृष्ण पौड़ी के रूप में विकसित करने, दोनों ओर के मार्गों का नवीनीकरण कराने और अतिक्रमण हटाने की मांग की गई है। साथ ही मेला क्षेत्र में प्रकाश व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, महिला श्रद्धालुओं के लिए सुलभ शौचालय और भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं का चित्रण कराने का सुझाव दिया गया है।

स्थायी घाट, स्वच्छ यमुना और यातायात व्यवस्था के लिए डीएम को सौंपा ज्ञापन

10 और 11 नवंबर को जुटेंगे लाखों श्रद्धालु सुरक्षा इंतजाम मजबूत करने पर जोर

परिषद ने सुरक्षा के लिए सीसीटीवी कैमरे, एंबुलेंस और चिकित्सा टीमों की तैनाती के साथ यमुना से सिल्ट हटाकर स्वच्छ जल उपलब्ध कराने पर भी जोर दिया।

पदाधिकारियों का कहना है कि मेले को राजकीय दर्जा मिलने से स्थायी विकास कार्यों का रास्ता खुलेगा और श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिल सकेंगी। प्रशासन को समय रहते व्यवस्थाएं सुनिश्चित करनी चाहिए। इस अवसर पर मीडिया प्रभारी राकेश तिवारी आदि मौजूद रहे।

नए बस अड्डे पर कूड़े के ट्रैक्टर ने रोकी वाहनों की रफ्तार



नए बस अड्डे के समीप जाम में फंसे वाहन।

यूनिक समय, मथुरा। नए बस अड्डे के समीप शुक्रवार दोपहर नगर निगम का कूड़े से भरा ट्रैक्टर रेलवे पुल के पास खराब हो गया। इसके चलते सड़क पर वाहनों की रफ्तार थम गई और करीब पौन घंटे तक जाम के हालात बने रहे। वाहनों की लंबी कतार बीएसए कॉलेज से आगे तक पहुंच गई। जाम में फंसे लोगों को निकलने के लिए खासी मशक्कत करनी पड़ी।

सूचना पर पहुंची यातायात पुलिस ने

क्रेन से ट्रैक्टर हटवाकर पुलिस ने खुलवाया रास्ता

जाम खुलवाने का प्रयास किया, लेकिन खराब ट्रैक्टर रास्ते में बाधा बना रहा। इसके बाद पुलिस ने क्रेन मंगवाकर ट्रैक्टर को सड़क से हटवाया। ट्रैक्टर हटने के बाद यातायात सुचारु हो सका। पुलिसकर्मियों को जाम में फंसे वाहनों को निकलवाने में काफी मशक्कत करनी पड़ी।

ब्रज तीर्थ उत्सव 2026

श्री नरेन्द्र मोदी
(प्रधानमंत्री)

श्री योगी आदित्यनाथ
(मुख्यमंत्री)

30प्र0 खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड

हर घर खादी घर घर खादी

खादी फॉर फैशन, खादी फॉर नेशन

दिनांक: 23 अक्टूबर से 02 नवम्बर 2026

खादी फैशन शो का कार्यक्रम 1 नवम्बर को 3:30 से 5:30 बजे तक होगा।

पीईटी में 10,450 अभ्यर्थियों ने छोड़ी परीक्षा

33 केंद्रों पर दो पालियों में हुआ इम्तिहान, 17,822 पंजीकृत अभ्यर्थियों में से 7,372 ही पहुंचे

यूनिक समय, मथुरा। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की प्रारंभिक अर्हता परीक्षा (पीईटी) के दूसरे चरण में शुक्रवार को जिले के 33 केंद्रों पर परीक्षा आयोजित की गई। दोनों पालियों में परीक्षा देने के लिए केंद्रों पर सुबह से ही अभ्यर्थियों की आवाजाही शुरू हो गई। केंद्रों के बाहर कहीं युवा किताबों और नोट्स में आखिरी समय तक सवालों के जवाब तलाशते दिखे तो कहीं महत्वपूर्ण प्रश्नों को दोहराते नजर आए। सुरक्षा जांच और प्रवेश प्रक्रिया के बाद अभ्यर्थियों को परीक्षा कक्षों में प्रवेश दिया गया।

परीक्षा दो पालियों में कराई गई। पहली पाली में 33 केंद्रों पर 8,817 अभ्यर्थियों के बैठने की व्यवस्था थी। इनमें से 3,498 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए, जबकि 5,319 अनुपस्थित रहे। दूसरी पाली में भी सभी 33 केंद्रों पर परीक्षा हुई। इस पाली में 9,005 अभ्यर्थियों के बैठने की व्यवस्था की गई थी। इनमें से 3,874 ने परीक्षा दी, जबकि 5,131 अभ्यर्थी गैरहाजिर रहे। दोनों पालियों में कुल 17,822 अभ्यर्थियों के लिए इंतजाम किए गए थे। इनमें से 7,372 अभ्यर्थी ही परीक्षा देने पहुंचे, जबकि 10,450

किसी के चेहरे पर खिली मुस्कान हिंदी ने कई को उलझाया



प्रियांशी

अभिषेक

यूनिक समय, मथुरा। शुक्रवार को प्रारंभिक अर्हता परीक्षा (पीईटी) के द्वितीय चरण की पहली पाली की परीक्षा खत्म होते ही केंद्रों के बाहर अभ्यर्थियों के चेहरों पर अलग-अलग भाव नजर आए। किसी के चेहरे पर आसान पेपर होने की मुस्कान थी तो कोई सवालों के जवाब याद कर अपनी गलतियां तलाशने में जुटा था। किसी को प्रश्नपत्र उम्मीद से सरल लगा तो किसी के लिए हिंदी और सामान्य ज्ञान के सवाल उलझन बन गए।

राजकीय इंटर कॉलेज सहित अन्य परीक्षा केंद्रों से बाहर निकलते ही अभ्यर्थियों के बीच सवालों के जवाब मिलाने और कठिन प्रश्नों पर चर्चा का दौर शुरू हो गया। कुछ अभ्यर्थी अपनी तैयारी के अनुरूप पेपर होने से संतुष्ट नजर आए तो कुछ का कहना था कि कई सवालों ने परीक्षा के दौरान समय

पीईटी की पहली पाली का पेपर देकर बाहर आए अभ्यर्थियों ने साझा किए अनुभव

सामान्य ज्ञान के सवालों ने भी छकाया

लिया।

मैनपुरी से परीक्षा देने आई प्रियांशी ने बताया कि प्रश्नपत्र उम्मीद से भी आसान था। अधिकतर सवालों को हल करने में परेशानी नहीं हुई, हालांकि सामान्य ज्ञान के कुछ प्रश्नों ने जरूर उलझाया। उन्होंने कहा कि पहली बार परीक्षा देने के बावजूद पेपर अच्छा रहा। वहीं, कानपुर से आए अभिषेक कुमार ने बताया कि पेपर ठीक हुआ, लेकिन प्रश्नपत्र उनकी तैयारी के अनुमान से कुछ अलग था।

परीक्षा केंद्रों के बाहर अभ्यर्थियों की प्रतिक्रियाओं से साफ था कि एक ही प्रश्नपत्र को लेकर सबके अनुभव अलग-अलग रहे। किसी के लिए पेपर आसान रहा तो किसी को हिंदी और सामान्य ज्ञान के सवालों ने परीक्षा खत्म होने के बाद भी उलझाए रखा।

ने परीक्षा छोड़ दी। इस तरह आधे से

अधिक अभ्यर्थियों की गैरहाजिरी रही।

पीईटी परीक्षा को लेकर जंक्शन पर रहे सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम



परीक्षा समाप्त होने के बाद जंक्शन पहुंची परीक्षार्थी।

यूनिक समय, मथुरा। पीईटी परीक्षा के द्वितीय चरण को लेकर जंक्शन रेलवे स्टेशन पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए। परीक्षा में शामिल होने के लिए बड़ी संख्या में परीक्षार्थियों के आवागमन को देखते हुए रेलवे स्टेशन पर विशेष सतर्कता बरती गई। जीआरपी और आरपीएफ के जवानों ने स्टेशन परिसर में मोर्चा संभालते हुए परीक्षार्थियों की भीड़ पर पैनी नजर रखी।

स्टेशन के प्लेटफार्मों, प्रवेश और निकास द्वार सहित प्रमुख स्थानों पर सुरक्षा कर्मी मुस्तैद रहे। जवान लगातार भीड़ की गतिविधियों पर नजर बनाए रहे, जिससे किसी प्रकार की अव्यवस्था की स्थिति उत्पन्न न

परीक्षार्थियों की भीड़ पर रही आरपीएफ और जीआरपी की नजर

हो। परीक्षार्थियों के आवागमन के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर जीआरपी और आरपीएफ की टीम सतर्क दिखाई दी। अधिकारियों और जवानों का प्रयास रहा कि परीक्षार्थियों को आवागमन में परेशानी न हो और स्टेशन पर सुरक्षा एवं व्यवस्था बनी रहे। स्टेशन निदेशक सुनील कुमार शर्मा ने बताया कि परीक्षा के मद्देनजर पूर्व से ही सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त थी। आरपीएफ, जीआरपी जवानों के अलावा वाणिज्य विभाग के कर्मचारी मुस्तैद रहे।

परीक्षार्थियों की सुविधा के लिए रोडवेज ने बढ़ाई 35 बसें

अधिक अभ्यर्थियों वाले मार्गों पर बढ़ाई बसों की संख्या

नोएडा के लिए 15 और कानपुर-मैनपुरी रूट पर 20 बसें लगाई



यूनिक समय, मथुरा। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की प्रारंभिक अर्हता परीक्षा (पीईटी) के द्वितीय चरण की परीक्षा शुक्रवार से शुरू हो गई। परीक्षा में शामिल होने के लिए मथुरा में कई जिलों से बड़ी संख्या

में अभ्यर्थी पहुंचे। परीक्षार्थियों को परीक्षा केंद्रों तक पहुंचने और वापस लौटने में परेशानी न हो, इसके लिए रोडवेज ने अतिरिक्त बसों की व्यवस्था की। रोजाना संचालित होने वाली बसों के अलावा करीब 35 अतिरिक्त बसें

चलाई गईं। इनमें नोएडा मार्ग पर करीब 15, जबकि कानपुर और मैनपुरी की ओर जाने वाले मार्गों पर करीब 20 बसें बढ़ाई गईं। इसके अलावा पांच बसें अन्य मार्गों पर भी लगाई गईं।

एआरएम विवेक अहिरवार ने बताया कि परीक्षार्थियों की संख्या को देखते हुए कानपुर, इटावा, फर्रुखाबाद और मैनपुरी की ओर जाने वाले मार्गों पर अतिरिक्त बसों की व्यवस्था की गई है। जिन मार्गों पर यात्रियों की संख्या अधिक रही, वहां जरूरत के अनुसार बसें भेजी गईं।

ई-रिक्शा में पीछे से घुसी बाइक, युवक की मौत

यूनिक समय, मांटी/सुरीर। दरबे रोड पर बारहमासी पुलिस चौकी के समीप देर रात तेज रफ्तार बाइक आगे चल रहे ई-रिक्शा में पीछे से जा घुसी। हादसे में बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई। युवक की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहलम मच गया। मृतक की पहचान लोकेंद्र सिंह (पुत्र प्रताप सिंह) निवासी गांव शेरनी, थाना राया के रूप में हुई है। हादसे की सूचना पर मांटी पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सीओ अमरनाथ यादव ने बताया कि सड़क हादसे में युवक की मौत हुई है। परिजनों को घटना की सूचना दे दी गई है।

परिषदीय स्कूलों में 17 नवंबर से अर्धवार्षिक परीक्षाएं

नए पैटर्न पर होगा मूल्यांकन, दो लाख विद्यार्थी होंगे शामिल

कक्षा एक की मौखिक तो छह से आठ तक 50 अंकों की होगी लिखित परीक्षा

यूनिक समय, मथुरा। परिषदीय विद्यालयों में अर्धवार्षिक परीक्षाओं की तैयारी शुरू हो गई है। शैक्षिक सत्र 2026-27 की परीक्षाएं 17 से 21 नवंबर तक आयोजित की जाएंगी। इस बार परीक्षा और मूल्यांकन का प्रारूप बदला गया है। कक्षा एक के विद्यार्थियों का मूल्यांकन केवल मौखिक होगा, जबकि कक्षा दो से पांच तक लिखित और मौखिक दोनों परीक्षाएं होंगी। कक्षा छह से आठ तक के विद्यार्थियों को 50 अंकों की लिखित परीक्षा देनी होगी।

उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा परिषद की ओर से परीक्षा कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। जिले के 1531 परिषदीय विद्यालयों में पढ़ने वाले करीब दो लाख विद्यार्थी अर्धवार्षिक परीक्षा में शामिल होंगे।

परीक्षाएं दो पालियों में कराई जाएंगी। पहली पाली सुबह 9:30 से 11:30 बजे तक और दूसरी पाली दोपहर 12:30 से 2:30 बजे तक होगी।

डायट में प्रतिभा खोज प्रतियोगिता में 24 विद्यार्थियों ने दिखाया दमखम

यूनिक समय, मथुरा। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) में कक्षा छह से आठ तक के विद्यार्थियों की जनपद स्तरीय प्रतिभा खोज प्रतियोगिता आयोजित की गई। राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, लखनऊ के निर्देश पर प्राचार्य डॉ. धर्मेन्द्र शर्मा के निर्देशन में हुई प्रतियोगिता में विकासखंड स्तर पर प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले 24 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।

प्रतियोगिता प्रभारी दिगंबर सिंह ने बताया कि प्रतिभा खोज प्रतियोगिता तीन चरणों में आयोजित की गई। पहले विद्यालय स्तर, फिर विकासखंड स्तर और अंत में जनपद स्तर पर विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। जनपद स्तरीय प्रतियोगिता में सभी विषयों से संबंधित 100 बहुविकल्पीय प्रश्न पूछे गए। इस दौरान वरिष्ठ प्रवक्ता जमुना प्रसाद सुमन, दिगंबर सिंह, हरेश सिंह, संतोष कुमार सिंह और नरेंद्र सिंह उपस्थित रहे।

किशोरी लापता, युवक के साथ होने की मिली जानकारी

यूनिक समय, वृंदावन। प्रेम मंदिर के पीछे स्थित देव लोक कॉलोनी निवासी 15 वर्षीय किशोरी के लापता होने का मामला सामने आया है। किशोरी की मां ने कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज करारक बेटी की बरामदगी की गुहार लगाई है। किशोरी 21 अक्टूबर की सुबह घर से निकली थी, लेकिन वापस नहीं लौटी। जानकारी मिली कि वह आकाश (19) निवासी जिला टीकमगढ़, मध्य प्रदेश के साथ है। परिजनों ने चैतन्य विहार स्थित सारांग स्कूल के पीछे आकाश के घर जाकर भी तलाश की, लेकिन वह नहीं मिला।

आईआईटी दिल्ली और केडी मेडिकल कॉलेज के बीच समझौता



कोटक बिजलैब्स नेशनल इवेंट का शुभारम्भ करते अतिथि।

यूनिक समय, मथुरा। शिक्षा, तकनीक, नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शुक्रवार को केडी मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के सभागार में 'कोटक बिजलैब्स नेशनल इवेंट' आयोजित किया गया। फाउंडेशन फॉर इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी ट्रांसफर (एफआईटीटी), आईआईटी दिल्ली और कोटक बिजलैब्स के संयुक्त तत्वावधान में हुए कार्यक्रम में शैक्षणिक, तकनीकी और स्टार्टअप जगत के विशेषज्ञों ने युवाओं को नवाचार और उद्यमिता की संभावनाओं से परिचित कराया।

कार्यक्रम का शुभारम्भ एफआईटीटी-आईआईटी दिल्ली के निवेश उपाध्यक्ष अंकित सक्सेना, आईआईटी दिल्ली के

प्रो. रविकृष्णन एलंगोवन, राजेश कुमार सागर, केडी मेडिकल कॉलेज के डीन-प्राचार्य डॉ. आरके अशोका, उप प्राचार्य डॉ. गगनदीप कौर, प्रो-वाइस चांसलर डॉ. गौरव सिंह, कुलसचिव डॉ. विकास कुमार अग्रवाल सहित अन्य अतिथियों ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया।

कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण केडी मेडिकल कॉलेज और एफआईटीटी-आईआईटी दिल्ली के बीच हुआ समझौता ज्ञापन (एमओयू) रहा। अनुबंध का आदान-प्रदान केडी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. मनेष लाहौरी और अंकित सक्सेना ने किया। प्रो-चांसलर मनोज अग्रवाल और कुलपति डॉ. लाहौरी ने इसे

संस्थान में नवाचार, अनुसंधान और उद्यमिता को नई गति देने वाला महत्वपूर्ण कदम बताया। कार्यक्रम में मथुरा के विभिन्न उच्च शिक्षण संस्थानों से आए छात्र-छात्राओं को नवाचार की यात्रा, उद्यमिता के अवसर, तकनीक आधारित विकास और देश के स्टार्टअप इकोसिस्टम को मजबूत बनाने के बारे में जानकारी दी गई। डॉ. गौरव सिंह ने अंकित सक्सेना और प्रो. रविकृष्णन एलंगोवन के साथ परिचर्चा की। जीएलए विश्वविद्यालय के इन्क्यूबेशन सेंटर के प्रमुख डॉ. रवि तिवारी ने अपने अनुभव साझा किए, जबकि श्रिया दुबे ने 'इनोवेटिव भारत' विषय पर प्रस्तुति दी। इस दौरान विभिन्न स्टार्टअप संस्थापकों ने अपने व्यावसायिक विचार और नवाचार

कच्ची मंडी में अतिक्रमण फुटपाथ किराये पर उठाए

यूनिक समय, कोसीकलां। नगर के जानकी भवन मार्ग स्थित कच्ची मंडी में अतिक्रमण ने राहगीरों की राह रोक दी है। यहां दुकानदारों ने फुटपाथ से लेकर आधी सड़क तक कब्जा जमा रखा है। आरोप है कि कुछ दुकानदार सरकारी फुटपाथ को ही 25 से 30 हजार रुपये प्रतिमाह किराये पर उठाकर कमाई कर रहे हैं। हैरानी की बात यह है कि सब कुछ खुलेआम होने के बावजूद जिम्मेदार विभागों की कार्रवाई नजर नहीं आ रही।

कच्ची मंडी में सड़क के दोनों ओर दुकानें हैं। दुकानदारों ने सामान सड़क तक फैला रखा है, वहीं फुटपाथ पर भी अवैध कब्जे हैं। बाजार में खरीदारी करने आने वाले ग्राहकों के दोपहिया और चार पहिया वाहन भी सड़क पर बेतरतीब खड़े रहते हैं। नतीजतन सुबह से शाम तक



कच्ची मंडी में दुकानदारों की ओर से किया गया अतिक्रमण।

जाम के हालात बने रहते हैं।

सबसे ज्यादा परेशानी स्कूली बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों को उठानी पड़ रही है। पैदल निकलने तक की जगह नहीं बचती।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि नगर पालिका और पुलिस प्रशासन से कई बार शिकायत की गई, लेकिन कार्रवाई के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति होती है।

कभी मीडिया या उच्चाधिकारियों का दबाव पड़ने पर अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया जाता है, लेकिन टीम के लौटते ही फिर पुराने हालात बन जाते हैं। लोगों ने सवाल उठाया कि सरकारी फुटपाथ पर कब्जा और उसे किराये पर देने का सिलसिला आखिर किसकी शह पर चल रहा है।

क्षेत्रीय लोगों ने एसडीएम छाता से

सरकारी फुटपाथ 25 से 30 हजार रुपये महीने पर किराये पर देने का आरोप

आधी सड़क तक फैला दुकानों का सामान, दिनभर जाम से जूझ रहे लोग

स्थायी अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाने और सरकारी फुटपाथ किराये पर उठाने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि जब तक कब्जे हटाकर फुटपाथ पैदल यात्रियों के लिए खाली नहीं कराया जाएगा, तब तक कच्ची मंडी में जाम और अव्यवस्था से राहत मिलना मुश्किल है।

दीपावली पर उल्लुओं की शामत रोकने को वन विभाग अलर्ट

यूनिक समय, कोसीकलां। दीपावली पर लक्ष्मी पूजन के बीच लक्ष्मी के वाहन उल्लू पर शिकारियों की नजर न पड़े, इसके लिए वन विभाग ने कमर कस ली है। अंधविश्वास के चलते दीपावली की रात उल्लुओं की बलि देने और उन्हें ऊंचे दामों पर बेचने की आशंका को देखते हुए शासन के निर्देश पर वन विभाग अलर्ट हो गया है। क्षेत्र के जंगलों, बाग-बगीचों और सुनसान स्थानों पर गश्त बढ़ाकर संदिग्ध लोगों पर निगरानी रखी जा रही है।

दरअसल, समाज में फैले अंधविश्वास के चलते कुछ लोग मानते हैं कि दीपावली की रात उल्लू की बलि देने से घर में मां लक्ष्मी का स्थायी वास होता है। इसी भ्रम का फायदा उठाकर कुछ तांत्रिक और शिकारी उल्लुओं को पकड़कर ऊंचे दामों पर बेचने का धंधा करते हैं। हर साल दीपावली के आसपास ऐसी गतिविधियों की आशंका बढ़ जाती है। वन विभाग के अधिकारियों के

अंधविश्वास के चलते उल्लुओं की बलि और तस्करी की आशंका

अनुसार, उल्लू वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत संरक्षित पक्षी है। इसका शिकार, पकड़ना और अवैध कारोबार करना गंभीर अपराध है। इसमें सात साल तक की सजा और जुर्माने का प्रावधान है। विभागीय टीमें लगातार गश्त कर रही हैं। उल्लू की किसी भी प्रजाति के शिकार और अवैध बिक्री को रोकने के लिए विशेष निगरानी रखी जा रही है। वन विभाग ने आमजन से भी अपील की है कि कहीं उल्लू का शिकार, पकड़ने या बिक्री की जानकारी मिले तो तत्काल विभाग को सूचित करें। सूचना देने वाले की पहचान गोपनीय रखी जाएगी। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि अंधविश्वास के नाम पर वन्यजीवों को नुकसान पहुंचाने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

जयकारों और पुष्पवर्षा के बीच निकली भगवान श्रीराम की बारात



गांव जावरा में निकली बारात में शामिल राम और लक्ष्मण के स्वरूप।

यूनिक समय, सुरीर। मांट क्षेत्र के गांव जावरा में श्री आदर्श रामलीला कमेटी के तत्वावधान में भगवान श्रीराम की भव्य बारात धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ निकाली गई। बारात में भगवान श्रीराम, लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न के मनमोहक स्वरूपों ने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। आकर्षक झांकियों और बैंड-बाजों की धुनों के बीच निकली बारात को देखने के लिए ग्रामीणों की भीड़ उमड़ पड़ी। राम बारात का शुभारंभ रामलीला मैदान से हुआ। शोभायात्रा गांव के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरी। जगह-जगह ग्रामीणों और श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर भगवान के स्वरूपों का

आकर्षक झांकियों और बैंड-बाजों ने मोहा मन जगह-जगह हुआ स्वागत

स्वागत किया। जय श्रीराम के जयकारों से पूरा गांव रामयम हो गया।

इस मौके पर कमेटी अध्यक्ष प्रहलाद सिंह, कोषाध्यक्ष भूपेंद्र (बिल्डिंग मैटेरियल), डायरेक्टर डॉ. भगवान सिंह, मैनेजर ज्ञान सिंह, मान सिंह, व्यवस्थापक विनाम सिंह, वली बाबा, रामवीर सिंह, अवधेश चौधरी, ओमवीर सिंह व्यास सहित कमेटी के अन्य सदस्य और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

अग्रसेन जयंती पर भजनों की बही रसधार, देर रात तक झूमे श्रद्धालु

यूनिक समय, कोसीकलां। महाराजा अग्रसेन जयंती महोत्सव पर शुक्रवार को आर्य समाज धर्मशाला, आर्य नगर में भक्ति और उल्लास की अनूठी छटा बिखरी। कोसीकलां अग्रवाल सभा के तत्वावधान में आयोजित 'रसीली शाम महाराजा अग्रसेन के नाम' कार्यक्रम में पूरा परिसर भजनों की रसधार से सराबोर हो गया। वृंदावन से आए भजन गायक ध्रुव शर्मा और स्वर्णाश्री की प्रस्तुतियों पर श्रद्धालु देर रात तक झूमते रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि महेश अग्रवाल, दीपक अग्रवाल और डॉ. प्रकाश अग्रवाल (कोटवनिया) ने महाराजा अग्रसेन के चित्र पर

माल्यार्पण और दीप प्रज्वलित कर किया। शाम छह बजे आयोजित वृद्धजन और अग्र गौरव सम्मान समारोह में समाज के वरिष्ठजनों को शॉल ओढ़ाकर और स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया गया। रात आठ बजे भजन संध्या का शुभारंभ अमित अग्रवाल मौना सराफ, नरेश अग्रवाल बांसईया, गिरीश अग्रवाल पटाखे वाले, सचिन अग्रवाल मालाविया और मनीष अग्रवाल कादैनिया ने संयुक्त रूप से किया। वृंदावन के ध्रुव शर्मा और स्वर्णाश्री ने 'मेरी विनती यही है राधा रानी', 'मेरी लागी श्याम संग प्रीत' और 'श्री राधे' जैसे भजनों की प्रस्तुति देकर श्रोताओं को भक्तिरस में डुबो दिया।

अग्रवाल सभा अध्यक्ष संजीव जाबिया ने कहा कि महाराजा अग्रसेन ने अहिंसा, प्रेम, सहयोग और समानता का संदेश दिया। उनके एक ईंट और एक रुपये के सिद्धांत को अपनाकर समाज से गरीबी और बेरोजगारी जैसी समस्याओं को दूर किया जा सकता है। यही महाराजा अग्रसेन के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। इस मौके पर पूर्व अध्यक्ष वेद प्रकाश गोयल, चैयरमैन धर्मवीर अग्रवाल, तरुण सेठ, दयाशंकर अग्रवाल, गौरी अग्रवाल, जगदीश गोयल, सोनू मंगला, गोविंद अग्रवाल, कैलाशचन्द्र, अजय गोयंका सहित अग्रवाल समाज के सैकड़ों गणमान्य लोग मौजूद रहे।

छह दिन बाद सजना है पटाखा बाजार, अब तक जगह तय नहीं

यूनिक समय, कोसीकलां। दीपावली का पर्व सिर पर है, लेकिन नगर में पटाखा बाजार कहां लगेगा, इसे लेकर असमंजस बरकरार है। महज छह दिन बाद अस्थाई पटाखा बाजार सजना है, मगर पुलिस प्रशासन और अग्निशमन विभाग अभी तक सुरक्षित मैदान तक चिन्हित नहीं कर सके हैं। जगह तय न होने से दो दर्जन से अधिक अस्थाई लाइसेंसधारी दुकानदारों की चिंता बढ़ गई है।

प्लॉटिंग के चलते अग्रसेन वाटिका के सामने बाजार लगने पर संकट

व्यापारियों के मुताबिक, वर्ष 2024 में प्रशासन ने बड़ी सब्जी मंडी में पटाखा बाजार लगवाया था। इसके बाद 2025 में बाजार का स्थान बदलकर नेशनल हाईवे स्थित अग्रसेन वाटिका के सामने कर दिया गया। इस बार वहां निजी प्लॉटिंग और

निर्माण कार्य शुरू होने से बाजार लगने की संभावना नहीं है। ऐसे में पुराने स्थान पर भी अनुमति मिलेगी या किसी नए मैदान का चयन होगा, इसे लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं है। दुकानदारों का कहना है कि वे लाखों रुपये का आतिशबाजी का स्टॉक मंगा चुके हैं, लेकिन बाजार का स्थान तय नहीं होने से दुकानें लगाने की तैयारी अधर में लटकती है। समय रहते मैदान नहीं मिला तो कारोबार प्रभावित होने के साथ दीपावली पर पटाखों

की बिक्री भी प्रभावित हो सकती है। व्यापारियों ने प्रशासन से जल्द बड़ी सब्जी मंडी अथवा किसी अन्य खुले और सुरक्षित मैदान को चिन्हित करने की मांग की है। उनका कहना है कि बाजार स्थल तय होने के बाद लाइसेंस और सुरक्षा संबंधी औपचारिकताएं पूरी कराई जाएं, ताकि अंतिम समय में अव्यवस्था न हो और लोगों को सुरक्षित पटाखा बाजार उपलब्ध हो सके।

डिमांड ड्राफ्ट के जरिए यात्री को लौटाई पूरी रकम

गलती से जमा हुए 26 हजार रुपये लौटाकर मांट टोल ने पेश की ईमानदारी की मिसाल

यूनिक समय, सुरीर। यमुना एक्सप्रेस-वे के मांट टोल प्रबंधन ने ईमानदारी और पारदर्शिता की मिसाल पेश की है। टोल भुगतान के दौरान गलती से ऑनलाइन जमा हुए 26 हजार रुपये प्रबंधन ने यात्री को वापस लौटा दिए। शुक्रवार को डिमांड ड्राफ्ट के जरिए पूरी धनराशि लौटाई गई। टोल प्रबंधन की इस तत्परता की यात्री ने सराहना की।

जानकारी के अनुसार, दिल्ली के पटेल नगर निवासी राहुल शर्मा यमुना एक्सप्रेस-वे से गुजर रहे थे। इस दौरान टोल भुगतान करते समय उनसे गलती से 26 हजार रुपये का ऑनलाइन भुगतान हो गया।

इसकी जानकारी मिलने पर मांट टोल प्रबंधन ने रकम वापस करने की प्रक्रिया शुरू की। शुक्रवार दोपहर टोल प्लाजा पर असिस्टेंट जनरल मैनेजर भरत सिंह राठौड़ ने नियमानुसार 26



यात्री को गलती से आई धनराशि का डिमांड ड्राफ्ट देते टोल अधिकारी।

हजार रुपये का डिमांड ड्राफ्ट तैयार कराकर राहुल शर्मा को सौंप दिया। पूरी रकम वापस मिलने पर यात्री ने प्रबंधन का आभार जताया।

यमुना एक्सप्रेस-वे के एचओडी-जनरल मैनेजर आनंद बुजराज सिंह ने कहा कि यात्रियों का भरोसा और संतुष्टि प्रबंधन की सबसे बड़ी पूंजी है।

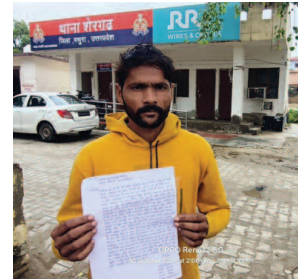
सुरक्षा इंफ्रा एंड डेवलपर्स लिमिटेड के प्रबंधन में यात्रियों के एक-एक पैसे की सुरक्षा सुनिश्चित करना नैतिक जिम्मेदारी है। ऐसे प्रयासों से यात्रियों का विश्वास मजबूत होता है और यमुना एक्सप्रेस-वे की विश्वसनीयता बढ़ती है।

स्यारहा में झगड़े का वीडियो वायरल पुलिस को चुनौती देने का आरोप

घर में घुसकर मारपीट और महिलाओं से अभद्रता का आरोप

यूनिक समय, शेरागढ़। थाना क्षेत्र के गांव स्यारहा में झगड़े का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर वायरल होने से मामला चर्चा में है। वायरल वीडियो में एक व्यक्ति पुलिसकर्मियों के सामने जूते साफ करने की चुनौती देता नजर आ रहा है। वहीं, पीड़ित ने दूसरे पक्ष पर घर में घुसकर मारपीट और महिलाओं से अभद्रता करने का आरोप लगाते हुए पुलिस को तहरीर दी है।

पीड़ित ओमवीर के अनुसार, 29 अक्टूबर की रात करीब 10:30 बजे कन्हैया और नारायण पुत्र चंद्रपाल लाठी-डंडे लेकर उसके घर में घुस आए। आरोप है कि दोनों ने शराब के नशे में घर की महिलाओं के साथ अभद्रता और गाली-गलौज की। विरोध करने पर ओमवीर के साथ डंडों से



पुलिस को दिए गए प्रार्थना पत्र को दिखाता पीड़ित।

मारपीट की गई। पीड़ित ने बताया कि घटना की सूचना डायल 112 पर दी गई। पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो एक व्यक्ति पुलिसकर्मियों के सामने जूते साफ करने की चुनौती देता दिखाई दिया। घटना का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस की कार्यप्रणाली और आरोपित के रवैये को लेकर सवाल उठ रहे हैं। फिलहाल मामले में वायरल वीडियो और तहरीर में लगाए गए आरोपों की जांच के बाद पुलिस की कार्रवाई पर सबकी नजर है।

पिसावा का विकास ही मेरा संकल्प: नरदेव



विकास काम को नारियल तोड़ते नरदेव चौधरी।

यूनिक समय, कोसीकलां। शुक्रवार को पिसावा गांव में विकास का नया सूरज उगा। अश्वत्थामा की तोपोभूमि पिसावा में 40 लाख रुपये के विकास कार्यों का शिलान्यास कोई साधारण शिलान्यास नहीं, बल्कि ग्रामीणों के सपनों का शिलान्यास था।

भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश मंत्री-कैबिनेट मंत्री प्रतिनिधि नरदेव चौधरी ने गांव पिसावा पहुंचकर पूरे विधि-विधान से भूमि पूजन कर कार्यों की नींव रखी। इस दौरान ग्रामीणों ने फूल-मालाओं से उनका स्वागत किया। महिलाओं और बुजुर्गों के चेहरे पर विकास की

खुशी साफ देखी जा रही थी। इस अवसर पर नरदेव चौधरी ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि मेरे लिए राजनीति कुर्सी नहीं, सेवा है। पिसावा मेरे परिवार जैसा है। यहां की हर गली, हर घर मेरी जिम्मेदारी है। मैं वादा नहीं, विकास करता हूं। 40 लाख तो शुरुआत है, पिसावा को मैं ऐसा चमकाऊंगा कि लोग देखने आएंगे। मेरा सपना है कि मेरे क्षेत्र के किसी भी गांव में कीचड़ न हो, अंधेरा न हो, कोई घर पानी को तर्से नहीं। सड़क, नाली, खरंजा, शुद्ध पेयजल और बिजली जैसे काम तेजी से होंगे। कार्यक्रम में प्रधान सहित सैकड़ों ग्रामीण मौजूद रहे।

सुविचार



अंधेरों से लड़ते
रहो, सुबह का
सूरज जरूर
उजाला लेकर
आएगा।

कल का पंचांग

तिथि	षष्ठी	07:25-04:57 तक	पक्ष	कृष्ण पक्ष
नक्षत्र	आर्द्रा	09:04-07:12 तक	माह	कार्तिक
सूर्योदय		6:29 AM	चन्द्रोदय	10:33 PM
सूर्यास्त		5:37 PM	चंद्रास्त	11:49 AM
सूर्य राशि	तुला राशि		चंद्र	मिथुन राशि
शुभ मुहूर्त	11:41AM-12:26 PM		ब्रह्म मुहूर्त	04:45-05:37
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2083
राहुकाल	09:16 AM- 10:40 AM		वार	शनिवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन



ब्रज की सभी कथा और श्री
राधा कृष्ण की सभी लीलाओं
के दर्शन यूनिक समय चैनल
के माध्यम से करें।

Youtube Channel : <https://youtube.com/uniquesamay>

धनतेरस पर खरीदारी के तीन शुभ मुहूर्त सुबह से शाम तक बरसेगी समृद्धि

धनतेरस छह नवंबर को
मनाई जाएगी

सुबह चौघड़िया से
लेकर दोपहर अभिजीत
तक रहेगा शुभ समय

शाम को प्रदोष और
वृषभ काल में खरीदारी
का विशेष संयोग

यूनिक समय, मथुरा। दीपावली की तैयारियों के बीच धनतेरस पर बाजारों में खरीदारी की रौनक देखने को मिलेगी। इस दिन सोना, चांदी, बर्तन और नए सामान खरीदने की परंपरा है। मान्यता है कि धनतेरस पर शुभ समय में खरीदारी करने से घर में सुख-समृद्धि और खुशहाली आती है। यही वजह है कि लोग बाजार जाने से पहले शुभ



मुहूर्त की जानकारी जुटाने में लगे हैं। इस बार धनतेरस पर खरीदारी के लिए सुबह, दोपहर और शाम को तीन विशेष मुहूर्त बताए गए हैं। ज्योतिषाचार्य पंडित अजय कुमार तैलंग के अनुसार, इस वर्ष 6 नवंबर शुक्रवार को धनतेरस मनाई जाएगी। खास बात यह है कि इस दिन प्रदोष व्रत

का भी संयोग बन रहा है। ऐसे में खरीदारी के लिए तीन शुभ समय रहेंगे। पहला चौघड़िया मुहूर्त सुबह 8 बजकर 16 मिनट से 9 बजकर 48 मिनट तक रहेगा। इस दौरान सोना, चांदी, बर्तन और घर की जरूरत का सामान खरीदना शुभ माना गया है। दूसरा मुहूर्त अभिजीत काल का

रहेगा। यह सुबह 11 बजकर 48 मिनट से दोपहर 12 बजकर 56 मिनट तक रहेगा। जो लोग सुबह बाजार नहीं पहुंच पाएंगे, वे इस समय खरीदारी कर सकते हैं। इस दौरान भी आभूषण, बर्तन और अन्य वस्तुएं खरीदना शुभ बताया गया है। तीसरा और विशेष मुहूर्त शाम को रहेगा। ज्योतिषाचार्य के मुताबिक, शाम 6 बजकर 2 मिनट से रात 7 बजकर 58 मिनट तक प्रदोष और वृषभ काल का संयोग रहेगा। इसे खरीदारी के लिए सबसे उत्तम समय बताया गया है। इस दौरान खरीदारी के साथ भगवान धन्वंतरि, मां लक्ष्मी और कुबेर देव की पूजा-अर्चना भी की जा सकती है।

धनतेरस पर खरीदारी को लेकर लोगों में खासा उत्साह रहता है। कोई सोने-चांदी के आभूषण खरीदने की तैयारी में है तो कोई बर्तन और घरेलू सामान लेने की योजना बना रहा है। हालांकि खरीदारी अपनी जरूरत और सामर्थ्य के अनुसार करना ही बेहतर है।

JAIGURUDEV MULTISPECIALITY HOSPITAL

मथुरा में सबसे कम दरों पर समस्त स्वास्थ्य संबंधी सुविधाएँ उपलब्ध

हमारी टीम के अनुभवी एवं विशेषज्ञ डॉक्टर

डॉ. अनिल कुमार गौतम M.B.B.S, M.D., MEDICINE (CONSULTANT PHYSICIAN)	डॉ. दुर्गेश कुमार M.B.B.S, D.N.B., ORTHO-SUR. JOINT REPLACEMENT	डॉ. वी. के. पांडे M.B.B.S, M.S. Ortho
डॉ. संदीप गोवर्धन चौहान M.B.B.S, D.N.B., NEURO SURGEON	डॉ. इला अग्रवाल M.B.B.S, M.S. Ortho	डॉ. एकता थडानी M.B.B.S., DNB. (OBGY)
डॉ. सी. एम. मवार M.B.B.S. DVD. MIADVI	डॉ. नितेश ज़िंदल MBBS, MD, MEDICINE	डॉ. नरेश अग्रवाल M.B.B.S., D.C.H
डॉ. अर्पण मोर्य M.B.B.S., M.S. (SURGERY) F.M.A.S F.I.A.G.E.S GERASER SURGO &	डॉ. मनदीप यादव D.P.T B.P.T	डॉ. चेतना अग्रवाल B.D.S., MIDA
डॉ. हरि प्रसाद (B.H.M.S) CONSULTANT HOMOEOPATH	डॉ. एम. माहेश्वरी M.B.B.S. (MS) OPHTHALMOLOGY	आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत ₹ 5 लाख तक का निःशुल्क उपचार आयुष्मान कार्ड धारकों का स्वागत है

आपातकालीन मो.नं. 7078877006
8650777901, 8953925593
Maholi Link Road, Mathura (U.P.)

धनतेरस पर सात चीजों के लेन-देन से बचें



यूनिक समय, मथुरा। दीपावली से पहले मनाया जाने वाला धनतेरस सुख-समृद्धि और खुशहाली का प्रतीक माना जाता है। इस दिन भगवान धन्वंतरि, मां लक्ष्मी और कुबेर देव की पूजा के साथ सोना, चांदी और बर्तन खरीदने की परंपरा है। इस वर्ष धनतेरस 6 नवंबर शुक्रवार को मनाई जाएगी। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस दिन कुछ वस्तुओं का लेन-देन करने से बचने की सलाह दी जाती है।

अयोध्या के ज्योतिषाचार्य पंडित कल्कि राम के अनुसार धनतेरस पर नमक उधार देने या उपहार में देने से बचना चाहिए। मान्यता है कि नमक का संबंध घर की बरकत से है। इसी तरह चाकू, कैंची और सुई जैसी धारदार वस्तुएं उपहार में देना भी शुभ नहीं माना जाता। तेल और घी का लेन-देन करने से भी परहेज करने की परंपरा है। कुछ

नमक से लेकर कांच तक, इन वस्तुओं को लेकर सावधानी

लक्ष्मी-कुबेर के पर्व पर
बरकत से जुड़ी है परंपराएं

मान्यताओं के अनुसार इस दिन किसी को नकद धन उधार नहीं देना चाहिए। हालांकि सामान्य खरीदारी में नकद भुगतान करना अशुभ नहीं है। इसके अलावा कांच और शीशे की वस्तुएं उपहार में देने तथा दूध-फूट या अनुपयोगी सामान किसी को देने से बचने की सलाह दी जाती है। मान्यता है कि धनतेरस पर घर में नई और उपयोगी वस्तुएं लाना शुभ होता है। ये धार्मिक परंपराएं हैं, इन्हें अनिवार्य नियम नहीं समझना चाहिए।

गंगा में 4500 टन कचरा, आस्था पर गंदगी का दाग

गंगनहर बंद होते ही
हरिद्वार के घाटों पर
दिखी गंदगी की तस्वीर

सफाई अभियान तेज
कचरे के निस्तारण में
यूपी से मांगा सहयोग

यूनिक समय, मथुरा। हरिद्वार में गंगनहर की वार्षिक बंदी के बाद गंगा घाटों पर गंदगी का भयावह नजारा सामने आया है। जिला प्रशासन के अनुसार, सालभर में करीब 17 करोड़ लोगों की आवाजाही के बीच घाटों पर लगभग 4,500 मीट्रिक टन कचरा जमा हुआ है। इसमें पुराने कपड़े, प्लास्टिक और पॉलीथीन बड़ी मात्रा में शामिल हैं।

नगर निगम ने 7 नवंबर तक दिन-



रात सफाई अभियान चलाने की योजना बनाई है।

सबसे पहले हरकी पैड़ी क्षेत्र की सफाई की जा रही है। घाटों से निकाला गया कचरा ज्वालापुर के सराय ट्रीटमेंट प्लांट भेजा जा रहा है, जहां उसे अलग-अलग करके उपयोगी सामग्री के पुनर्चक्रण की व्यवस्था की जाएगी। सफाई कार्य में सहयोग के लिए

उत्तर प्रदेश सिंचाई विभाग से भी मदद मांगी जा रही है। सामाजिक संस्थाएं भी अभियान से जुड़ेंगी। प्रशासन ने श्रद्धालुओं से पुराने कपड़े और पूजन सामग्री गंगा में नहीं डालने तथा कचरा निर्धारित स्थानों पर जमा करने की अपील की है। गंगा की पवित्रता बनाए रखने के लिए प्रशासन के साथ आम लोगों की जिम्मेदारी भी अहम है।

दिवाली से पहले क्यों होती है हनुमान पूजा

यूनिक समय, मथुरा। दीपावली से एक दिन पहले हनुमान जी की पूजा करने की विशेष परंपरा है। इस वर्ष 7 नवंबर शनिवार को हनुमान पूजा होगी। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इसके पीछे तीन प्रमुख वजहें हैं। पहली मान्यता के अनुसार भगवान राम ने अयोध्या लौटने पर हनुमान जी को दीपावली से एक दिन पहले पूजा का आशीर्वाद दिया था। दूसरी वजह इस दिन कुछ स्थानों पर हनुमान जन्मोत्सव मनाया जाना है। तीसरी मान्यता के अनुसार चतुर्दशी पर नकारात्मक शक्तियों से रक्षा के लिए बजरंगबली की पूजा की जाती है।

हनुमान जी को भगवान शिव का रुद्रावतार माना जाता है। इसी दिन कार्तिक मास की शिवरात्रि भी है। इसलिए शिव और हनुमान पूजा का विशेष धार्मिक महत्व बताया गया है।

मृत्यु के बाद कहां जाती है आत्मा, 86 हजार योजन की यात्रा का रहस्य

यूनिक समय, मथुरा। हिंदू धर्म के प्रमुख धार्मिक ग्रंथ गरुड़ पुराण में मृत्यु के बाद आत्मा की यात्रा और उसके कर्मों के फल का विस्तार से वर्णन मिलता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार मनुष्य की मृत्यु के बाद उसकी आत्मा शरीर से अलग होकर एक नई यात्रा पर निकलती है। इस यात्रा में उसके जीवनभर के अच्छे और बुरे कर्मों का विशेष महत्व बताया गया है।

गरुड़ पुराण के अनुसार मृत्यु के समय मनुष्य की इंद्रियां धीरे-धीरे कमजोर होने लगती हैं। मान्यता है कि उस समय उसे अपने जीवन के कर्मों का स्मरण होता है। इसके बाद यमदूत जीवात्मा को यमलोक ले जाते हैं, जहां चित्रगुप्त के लेखे के आधार पर उसके कर्मों का आकलन किया जाता है।



धार्मिक वर्णन के मुताबिक, इसके बाद आत्मा कुछ समय के लिए अपने परिवार के आसपास रहती है। मृत्यु के बाद

गरुड़ पुराण में मृत्यु के बाद आत्मा की यात्रा और यमलोक का बताया वर्णन

चित्रगुप्त के लेखे से तय होता है कर्मों का फल

दस दिनों तक किए जाने वाले पिंडदान और श्राद्ध कर्म को आत्मा की आगे की यात्रा से जोड़ा गया है। तेरहवीं के बाद उसकी यमलोक की यात्रा दोबारा शुरू होने की मान्यता है।

गरुड़ पुराण में इस यात्रा की दूरी 86 हजार योजन बताई गई है। इसे पूरा करने में 47 दिन लगने का उल्लेख मिलता है। इस मार्ग में वैतरणी नदी का विशेष वर्णन है। मान्यता है कि गौदान, अन्नदान और अच्छे कर्म करने वालों को इस नदी को पार करने में सहायता मिलती है। इस यात्रा में 16 नगरों का भी उल्लेख मिलता है, जहां आत्मा को अपने कर्मों के अनुसार अनुभवों से गुजरना पड़ता है। अंत में यमराज के दरबार में चित्रगुप्त कर्मों का लेखा प्रस्तुत करते हैं।

धार्मिक मान्यता के अनुसार अच्छे कर्म करने वालों को स्वर्ग और बुरे कर्म करने वालों को नरक की प्राप्ति होती है। इसके बाद कर्मों के अनुसार पुनर्जन्म का विधान बताया गया है। गरुड़ पुराण का संदेश है कि मनुष्य को जीवन में सत्य, दया, सेवा और परोपकार का मार्ग अपनाना चाहिए।



सम्पादकीय



बादलों में चांद गुम सुहागिनों का सब्र बेहाल

करवा चौथ पर सुहागिनों ने सुबह से ही पति की लंबी उम्र और सुखी वैवाहिक जीवन की कामना के साथ निर्जला व्रत रखा। दिनभर पूजा-पाठ, साज-श्रृंगार और चांद निकलने की तैयारियां होती रही। किसी ने हाथों में मेहंदी सजाई तो किसी ने नई साड़ी और आभूषण पहनकर चांद के दीदार का इंतजार किया। लेकिन प्रकृति ने भी जैसे इस बार सुहागिनों के धैर्य की परीक्षा लेने की ठान ली। आसमान में बादलों ने ऐसा डेरा जमाया कि चांद ओट में छिप गया। चांद निकला या नहीं, यह सवाल कम और इंतजार कितना लंबा होगा, यह परेशानी बड़ी बन गई।



पवन गौतम
संपादक

दिनभर भूखी-प्यासी रहने वाली महिलाओं के लिए शाम का समय सबसे कठिन था। पूजा की थाली तैयार थी, छलनी हाथ में थी, दीपक जल रहा था और निगाहें बार-बार आसमान की ओर उठ रही थीं। लेकिन बादल थे कि हटने का नाम ही नहीं ले रहे थे। हर थोड़ी देर

में कोई छत पर जाकर देखता, कोई मोबाइल पर चांद निकलने का समय खोजता और कोई पड़ोसियों से पूछता कि उनके यहां चांद दिखाई दिया या नहीं।

जब अपने आसमान में चांद के दर्शन नहीं हुए तो कई सुहागिनों को दूर बैठे रिश्तेदारों के मोबाइल का सहारा लेना पड़ा। किसी ने वीडियो कॉल पर चांद के दर्शन किए तो किसी ने मोबाइल की स्क्रीन पर दिखाई दे रहे चांद को देखकर पूजा की। कुछ महिलाओं ने पूर्व दिशा की ओर मुख करके पूजा-अर्चना की। यानी इस बार



संपादकीय सुनने के लिए
मोबाइल से QR कोड
को स्कैन करें।

चांद के दर्शन के लिए आसमान से ज्यादा मोबाइल पर भरोसा करना पड़ा। तकनीक ने सहारा तो दिया, लेकिन मन में वास्तविक चांद देखने की कसक बनी रही। सबसे अधिक परेशानी उन महिलाओं को हुई, जिनके घरों में पूजा के निश्चित नियम और परंपरागत मान्यताएं हैं। कहीं व्रत खोलने को लेकर असमंजस रहा तो कहीं परिवार के सदस्य भी आसमान निहारते हुए परेशान होते रहे। जिन पतियों के लिए पत्नी ने दिनभर पानी तक नहीं पिया, वे भी कभी छत तो कभी मोबाइल की मौसम सूचना देखते रहे। विडंबना देखिए, जिस चांद के इंतजार में सुहागिनें दिनभर तपस्या करती रही, वही बादलों के पीछे आराम फरमाता रहा। न उसे भूख लगी, न प्यास और न किसी की बेचैनी की चिंता हुई। मगर इस मजाक के पीछे महिलाओं का वास्तविक दर्द छिपा है। उनका व्रत प्रेम, विश्वास और भावनाओं से जुड़ा है। मौसम पर किसी का वश नहीं, लेकिन परिवार का दायित्व है कि वह महिलाओं की थकान और भावनाओं को समझे। आखिर चांद बादलों में छिप सकता है, सुहागिनों के प्रेम और समर्पण की रोशनी को कौन ढक सकता है?

विचार विंडो

राम प्रकाश शर्मा

भारत की संस्कृति में माता-पिता को देवतुल्य माना गया है। यहां 'मातृदेवो भव, पितृदेवो भव' का संदेश केवल धार्मिक मान्यता नहीं, बल्कि पारिवारिक जीवन का मूल संस्कार रहा है। जिस देश में माता-पिता के चरणों में स्वर्ग देखने की परंपरा रही हो, वहां बुढ़ापे में उन्हीं माता-पिता को उपेक्षा, अकेलेपन और असुरक्षा का सामना करना पड़े, तो यह समाज की संवेदनशीलता पर गंभीर सवाल है। जिन माता-पिता ने अपनी संतान का भविष्य बनाने के लिए जीवनभर संघर्ष किया, यदि वही संतान बुढ़ापे में उनके लिए समय और स्नेह नहीं निकाल पाए तो विकास और आधुनिकता के दावों का कोई अर्थ नहीं रह जाता। ऐसे समय में केरल विधानसभा की वरिष्ठ नागरिकों के संरक्षण संबंधी पहल पूरे देश के लिए उम्मीद की नई किरण बनकर सामने आई है।

आज बदलती जीवनशैली, संयुक्त परिवारों का टूटना, रोजगार के लिए महानगरों और विदेशों की ओर पलायन तथा बढ़ती व्यक्तिवादी सोच ने बुजुर्गों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। कभी घर के दादा-दादी और नाना-नानी परिवार की सबसे बड़ी पूंजी हुआ करते थे। उनके अनुभव बच्चों के लिए शिक्षा और उनके संस्कार परिवार की पहचान होते थे। अब परिस्थितियां बदल रही

हैं। कई घरों में बुजुर्गों को केवल जिम्मेदारी समझा जाने लगा है। कहीं उन्हें अकेले रहने के लिए छोड़ दिया जाता है तो कहीं उनकी संपत्ति और पेंशन पर अधिकार जमाने के बाद उनकी जरूरतों की अनदेखी की जाती है। यह स्थिति किसी एक परिवार की समस्या नहीं, बल्कि तेजी से बदलते समाज की गंभीर चुनौती है।

केरल विधानसभा ने अक्टूबर 2026 में वरिष्ठ नागरिकों के संरक्षण से संबंधित व्यापक विधेयक पारित कर इस दिशा में महत्वपूर्ण पहल की है। इसमें बुजुर्गों के साथ शारीरिक और मानसिक दुर्व्यवहार, क्रूरता तथा उनकी इच्छा के विरुद्ध उन्हें बेसहारा छोड़ने जैसे मामलों पर दंड का प्रावधान किया गया है। प्रस्तावित व्यवस्था के तहत तीन वर्ष तक के कारावास और 50 हजार रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान है। इसके अतिरिक्त देखभाल केंद्रों के पंजीकरण, देखभालकर्ताओं के प्रशिक्षण, शिकायतों के निवारण और साइबर धोखाधड़ी से सुरक्षा पर भी ध्यान दिया गया है। यह विधेयक स्पष्ट करता है कि बुजुर्गों की सुरक्षा केवल परिवार की इच्छा पर निर्भर नहीं रहनी चाहिए, बल्कि इसके लिए मजबूत सामाजिक और कानूनी व्यवस्था भी आवश्यक है।

इस पहल का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि बुजुर्गों को केवल भोजन, दवा और रहने

बोध प्रकाश सगुणी

चुनावी राजनीति में जीत और हार केवल आंकड़ों का खेल नहीं होती, बल्कि इनके पीछे जनता का संदेश और राजनीतिक दलों के प्रति उसका नजरिया भी छिपा होता है। हालिया विधान परिषद चुनावों में भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ने 28 में से 16 सीटें जीतकर अपनी बढ़त जरूर कायम की, लेकिन नागपुर और वाराणसी के परिणामों ने इस जीत की चमक कुछ फीकी कर दी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मुख्यालय वाले नागपुर में कांग्रेस की सफलता और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में समाजवादी पार्टी की जीत ने भाजपा के सामने ऐसे सवाल खड़े किए हैं, जिनसे बचना आसान नहीं होगा। आखिर जिन क्षेत्रों को भाजपा अपना मजबूत राजनीतिक आधार मानती है, वहां मतदाताओं ने विपक्ष पर भरोसा क्यों जताया?

नागपुर का चुनावी परिणाम भाजपा के लिए सामान्य हार नहीं है। यह शहर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की वैचारिक और संगठनात्मक गतिविधियों का प्रमुख केंद्र है। यहां से केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का भी गहरा राजनीतिक संबंध है। इसके बावजूद कांग्रेस के अभिजीत वंजारी ने भाजपा के सुधाकर कोहले को 3,271 मतों से पराजित कर स्नातक निर्वाचन क्षेत्र की सीट बरकरार रखी। वंजारी को 67,231 और कोहले को 63,960 मत मिले। लगभग दो दिन चली मतगणना में दूसरी वरीयता के मतों ने निर्णायक भूमिका निभाई। यह परिणाम बताता है कि किसी क्षेत्र में संगठन की मजबूत मौजूदगी और बड़े नेताओं का प्रभाव होने के बावजूद जीत की गारंटी नहीं होती।

नागपुर में कांग्रेस की लगातार दूसरी सफलता भाजपा के लिए आत्ममंथन का विषय होनी चाहिए। आखिर पार्टी के कार्यकर्ता मतदाताओं तक अपनी बात पहुंचाने में कहां कमजोर पड़े? क्या स्थानीय स्तर पर लोगों की अपेक्षाओं को समझने में चूक हुई या उम्मीदवार और संगठन के बीच तालमेल की कमी रही? इन सवालों का जवाब खोजना इसलिए भी जरूरी है क्योंकि राजनीति में पुराने प्रभाव के सहारे लंबे समय तक चुनाव नहीं जीते जा सकते। मतदाता को अपने मुद्दों पर जवाब चाहिए, केवल बड़े नेताओं के नाम और राजनीतिक नारों से उसका भरोसा हमेशा कायम नहीं रखा जा सकता।

वाराणसी के चुनाव परिणामों ने भाजपा की परेशानी को और बढ़ा दिया। प्रधानमंत्री मोदी के संसदीय क्षेत्र से जुड़ी दोनों विधान परिषद सीटों पर समाजवादी पार्टी ने जीत हासिल की। शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में लाल बिहारी यादव



नजरिया



नागपुर और वाराणसी में हार से भाजपा के सामने खतरे की घंटी



ने अपनी सीट बरकरार रखी, जबकि स्नातक निर्वाचन क्षेत्र में आशुतोष सिन्हा ने सफलता प्राप्त की। भाजपा के लिए यह परिणाम राजनीतिक प्रतिष्ठा से जुड़ा हुआ है। जिस वाराणसी को प्रधानमंत्री के विकास कार्यों और राजनीतिक नेतृत्व के प्रमुख उदाहरण के रूप में प्रस्तुत किया जाता है, वहां दोनों सीटों पर विपक्ष की जीत कई सवाल खड़े करती है।

हालांकि यह समझना भी जरूरी है कि विधान परिषद के शिक्षक और स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों का मतदाता वर्ग सीमित और विशिष्ट होता है। इन नतीजों को पूरे वाराणसी की जनता का फैसला मानना उचित नहीं होगा। इसके बावजूद भाजपा के लिए यह परिणाम चेतावनी जरूर है। यदि पार्टी अपने प्रभाव वाले क्षेत्रों में भी मतदाताओं का भरोसा खो रही है तो उसे स्थानीय स्तर पर अपनी कार्यशैली और जनसंपर्क की समीक्षा करनी होगी। चुनाव के समय सक्रिय होने के बजाय पूरे कार्यकाल जनता के बीच मौजूद रहना किसी भी राजनीतिक दल के लिए जरूरी है।

इन चुनावों में राजनीतिक बयानबाजी ने भी खूब ध्यान खींचा। प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस की सीटों को लेकर कटाक्ष किया था। इसके बाद नागपुर में कांग्रेस की जीत ने विपक्ष को पलटवार का अवसर दे दिया। कांग्रेस नेताओं ने वाराणसी में भाजपा की हार का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री और पार्टी नेतृत्व से सवाल किए। राजनीति में एक-दूसरे पर तंज कसना नई बात नहीं है, लेकिन सवाल यह है कि क्या राजनीतिक दल जनता के वास्तविक मुद्दों पर भी उतनी ही गंभीरता दिखाते हैं? बेरोजगारी, महंगाई, शिक्षा, रोजगार और स्थानीय विकास जैसे सवाल आज भी आम आदमी की प्राथमिकता में हैं। इन मुद्दों पर संतोषजनक जवाब देना किसी भी सरकार और राजनीतिक दल की जिम्मेदारी है।

भाजपा के सामने सबसे बड़ी चुनौती यही है कि वह अपनी चुनावी सफलता को जनता के स्थायी समर्थन के रूप में न देखे। केंद्र और प्रदेश में सत्ता होने का अर्थ यह

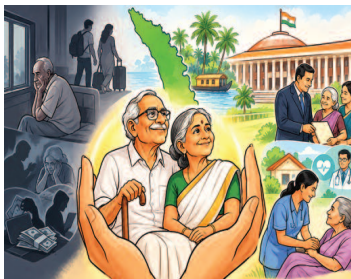
नहीं कि हर क्षेत्र में मतदाता हमेशा उसी के पक्ष में मतदान करेगा। स्थानीय जनप्रतिनिधियों का व्यवहार, कार्यकर्ताओं की सक्रियता, अधिकारियों की कार्यशैली और जनता की शिकायतों का समाधान भी राजनीतिक विश्वास तय करते हैं। कई बार सरकार की योजनाएं कागजों पर अच्छी दिखाई देती हैं, लेकिन उनका लाभ आम आदमी तक नहीं पहुंचता। ऐसे में जनता अपनी नाराजगी चुनाव के माध्यम से जाहिर करती है।

दूसरी ओर विपक्ष के लिए भी ये परिणाम बड़ी जिम्मेदारी लेकर आए हैं। नागपुर में कांग्रेस और वाराणसी में समाजवादी पार्टी की जीत निश्चित रूप से उत्साह बढ़ाने वाली है, लेकिन केवल भाजपा की हार को अपनी उपलब्धि मान लेना पर्याप्त नहीं होगा। विपक्ष को जनता के सामने ठोस विकल्प प्रस्तुत करना होगा। उसे बेरोजगारी, महंगाई, किसानों, युवाओं और शिक्षा से जुड़े मुद्दों पर स्पष्ट दृष्टिकोण रखना होगा। साथ ही आपसी मतभेद भुलाकर संगठन को मजबूत करना होगा। यदि विपक्ष इन जीतों को व्यापक जनसमर्थन में बदलना चाहता है तो उसे केवल चुनाव के समय नहीं, बल्कि लगातार जनता के बीच रहना होगा।

विधान परिषद चुनावों की समग्र तस्वीर में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की 16 सीटों की बढ़त महत्वपूर्ण है। कर्नाटक में भाजपा-जदयू गठबंधन की सफलता और उत्तर प्रदेश तथा बिहार में भाजपा और उसके सहयोगियों का प्रदर्शन उसे मनोवैज्ञानिक बढ़त देता है। वहीं महाराष्ट्र में महाविकास अघाड़ी और उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सफलताएं बताती हैं कि विपक्ष भी अपनी मौजूदगी दर्ज करा रहा है। इसलिए इन परिणामों को किसी एक दल की निर्णायक जीत या हार के रूप में देखना सही नहीं होगा।

दरअसल, लोकतंत्र में कोई भी राजनीतिक किला हमेशा के लिए सुरक्षित नहीं होता। नागपुर में कांग्रेस की जीत और वाराणसी में समाजवादी पार्टी की सफलता ने यही संदेश दिया है कि मतदाता को हल्के में लेने की कीमत किसी भी दल को चुकानी पड़ सकती है। भाजपा को इन परिणामों से सबक लेकर अपनी कमजोरियां दूर करनी होंगी, जबकि विपक्ष को अपनी जीत के उत्साह को संगठन और जनविश्वास में बदलना होगा। अंततः जनता को नारों, दावों और आरोपों से अधिक अपने जीवन में बदलाव चाहिए। जो दल उसकी अपेक्षाओं पर खरा उतरेगा, वही भविष्य की राजनीति में मजबूत स्थान बना पाएगा। सत्ता का असली किला जनता का विश्वास है और इस किले को बचाने के लिए हर राजनीतिक दल को लगातार परीक्षा देनी पड़ती है।

बुजुर्गों के सम्मान से ही संस्कारित समाज की पहचान



की जगह उपलब्ध कराना पर्याप्त नहीं माना गया है।

उन्हें सम्मान, आत्मनिर्भरता और निर्णय लेने का अधिकार भी मिलना चाहिए। उम्र बढ़ने के साथ व्यक्ति की शारीरिक क्षमता भले कम हो जाए, लेकिन उसका अनुभव और जीवन के प्रति समझ कम नहीं होती। परिवार में उनकी राय को महत्व देना और उनकी भावनाओं का सम्मान करना जरूरी है। कई बार बुजुर्गों को आर्थिक सहायता से अधिक अपने बच्चों के साथ बैठकर बातचीत करने और अपनेपन के कुछ पल बिताने की जरूरत होती है। आधुनिक जीवन की भागदौड़ में यही अपनापन सबसे अधिक गायब होता जा रहा है।

केरल की पहल का एक महत्वपूर्ण विचार बुजुर्गों को उनके अपने घर और परिचित वातावरण में सम्मानपूर्वक जीवन बिताने का

अवसर देना भी है। वृद्धाश्रमों की जरूरत से इनकार नहीं किया जा सकता, लेकिन हर बुजुर्ग की इच्छा और परिस्थिति अलग होती है। यदि घर में पर्याप्त देखभाल और सुरक्षा मिल सकती है तो उन्हें अपने परिचित परिवेश से दूर क्यों होना पड़े? सरकार को ऐसी व्यवस्था विकसित करनी चाहिए, जिससे जरूरतमंद वरिष्ठ नागरिकों को घर पर स्वास्थ्य सेवाएं, कानूनी सहायता और सामाजिक सुरक्षा मिल सके। साथ ही अकेले रहने वाले बुजुर्गों की नियमित देखभाल के लिए स्थानीय निकायों और सामाजिक संस्थाओं को जिम्मेदारी दी जानी चाहिए।

भारत में वरिष्ठ नागरिकों की बढ़ती संख्या भी इस विषय को गंभीर बनाती है। बेहतर चिकित्सा सुविधाओं के कारण जीवन प्रत्याशा बढ़ रही है। ऐसे में बुजुर्गों की जरूरतों को लेकर अभी से व्यापक तैयारी आवश्यक है। केंद्र और राज्य सरकारों को यह सुनिश्चित करना होगा कि वरिष्ठ नागरिकों के भरण-पोषण और कल्याण से संबंधित वर्ष 2007 के कानून का प्रभावी क्रियान्वयन हो। पुलिस थानों, अस्पतालों, बैंकों और सरकारी कार्यालयों में बुजुर्गों की शिकायतों के त्वरित समाधान की व्यवस्था होनी चाहिए। साइबर ठगी के बढ़ते मामलों को देखते हुए उन्हें डिजिटल सुरक्षा के प्रति जागरूक करना भी जरूरी है।

समाज को भी अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। केवल कानून बना देने से परिवारों में संवेदना पैदा नहीं हो सकती। बच्चों को बचपन से ही माता-पिता और बुजुर्गों के सम्मान के संस्कार देने होंगे। विद्यालयों में पीढ़ियों के बीच संवाद के कार्यक्रम होने चाहिए। परिवारों में बुजुर्गों को निर्णय प्रक्रिया का हिस्सा बनाया जाना चाहिए। उनकी पुरानी सोच कहकर हर बात खारिज करना उचित नहीं है। अनुभव और आधुनिक ज्ञान का मेल ही बेहतर समाज का निर्माण कर सकता है।

अंततः बुजुर्गों का संरक्षण किसी पर उपकार नहीं, बल्कि हमारा नैतिक और सामाजिक दायित्व है। आज जो युवा हैं, उन्हें भी कल इसी अवस्था से गुजरना है। इसलिए बुजुर्गों के लिए सुरक्षित और सम्मानजनक वातावरण तैयार करना वास्तव में अपने भविष्य को सुरक्षित करना है। केरल की पहल तभी सार्थक होगी, जब दूसरे राज्य भी इससे सीख लेकर ठोस कदम उठाएं। भारत को ऐसा समाज बनाना होगा, जहां माता-पिता को बुढ़ापे में अपनी ही संतान के सामने उपेक्षा का अनुभव न करना पड़े। याद रखना होगा कि जिस घर में बुजुर्गों का सम्मान होता है, वहां संस्कार जीवित रहते हैं और जिस समाज में बुजुर्ग सुरक्षित होते हैं, उसका भविष्य भी अधिक मजबूत होता है।

ऑकलैंड में पहली बार टीम इंडिया को मिली हार

न्यूजीलैंड ने भारत को चौथे टी-20 में 87 रनों से हराया

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेली जा रही पांच मैचों की टी20 सीरीज के चौथे मुकाबले में टीम इंडिया को 87 रनों से करारी हार का सामना करना पड़ा। ऑकलैंड के ईडन पार्क में खेले गए इस मुकाबले में न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 259 रन बनाए। जवाब में भारतीय टीम 20 ओवर में 9 विकेट गंवाकर 172 रन ही बना सकी। हालांकि, शुरुआती तीन मुकाबले जीतकर भारतीय टीम सीरीज पहले ही अपने नाम कर चुकी है। इस मैच में भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया, लेकिन न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों ने भारतीय गेंदबाजों की जमकर खबर ली। टीम की ओर से ग्लेन फिलिप्स ने तूफानी बल्लेबाजी करते हुए महज 49



गेंदों में 107 रन बनाए। उनकी इस शतकीय पारी में 6 चौके और 10 छक्के शामिल रहे। वहीं, माइकल ब्रेसवेल ने भी आक्रामक अंदाज दिखाते हुए सिर्फ 25 गेंदों में 65 रन ठोक दिए। उन्होंने अपनी पारी में 4 चौके और 6 छक्के लगाए। इन दोनों बल्लेबाजों की शानदार

पारियों के दम पर न्यूजीलैंड ने भारत के सामने 260 रनों का विशाल लक्ष्य रखा। भारत की तरफ से मयंक यादव ने सबसे ज्यादा 3 विकेट हासिल किए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। संजू सैमसन सिर्फ 4 रन बनाकर

आउट हो गए, जबकि ईशान किशन खाता भी नहीं खोल सके। इसके बाद कप्तान श्रेयस अय्यर और अभिषेक शर्मा का विकेट भी पावरप्ले के दौरान गिर गया। शुरुआती झटकों के कारण भारतीय टीम दबाव में आ गई और मुकाबले में वापसी नहीं कर सकी। भारतीय बल्लेबाज न्यूजीलैंड के गेंदबाजों के सामने बड़ी साझेदारी बनाने में नाकाम रहे और पूरी टीम 172 रन तक ही पहुंच सकी। इस तरह न्यूजीलैंड ने मुकाबला 87 रनों से अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ न्यूजीलैंड ने ऑकलैंड में भारत के खिलाफ पहली बार टी20 मुकाबला जीता। वहीं, भारतीय टीम के लिए यह हार बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों विभागों में सुधार करने का संकेत है। हालांकि, शुरुआती तीन मैच जीतने के कारण भारत सीरीज अपने नाम कर चुका है।

विजय के बेटे जेसन संजय ने जारी किया अलर्ट



यूनिक समय, नई दिल्ली। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और अभिनेता विजय के बेटे जेसन संजय ने सोशल मीडिया पर अपनी पहचान को लेकर बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने अपने नाम से चल रहे फर्जी अकाउंट्स और अनधिकृत फैन क्लब को लेकर प्रशंसकों को सतर्क रहने की सलाह दी है। जेसन ने स्पष्ट किया है कि इंस्टाग्राम, एक्स और फेसबुक पर उनके कुछ ही आधिकारिक अकाउंट हैं, जिन्हें वह खुद चलाते हैं या उनकी अनुमति से संचालित किया जाता है। इनके अलावा उनके नाम, तस्वीर और पहचान का इस्तेमाल करके चलाए जा रहे दूसरे अकाउंट्स से उनका कोई संबंध नहीं है। उन्होंने साफ कहा कि उनके नाम से किसी दूसरे अकाउंट के जरिए भेजे जाने वाले निजी संदेश, टिप्पणियों या कारोबारी प्रस्तावों को उनकी ओर से भेजा हुआ न समझें। जेसन ने यह भी बताया कि फिलहाल उनकी तरफ से किसी भी फैन क्लब, एसोसिएशन या कम्युनिटी

मेरे नाम से आने वाले मैसेज मेरे नहीं

को आधिकारिक मंजूरी नहीं दी गई है। ऐसे में उनके नाम पर चलने वाले सभी फैन क्लब और समूह अनधिकृत हैं। उन्होंने प्रशंसकों से अपील की है कि किसी भी अकाउंट पर भरोसा करने से पहले उसकी वास्तविकता जरूर जांच लें। वहीं, काम की बात करें तो जेसन संजय ने फिल्म 'सिग्मा' के जरिए निर्देशन की दुनिया में कदम रखा है। यह उनके करियर की पहली निर्देशित फिल्म है, जो 2 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। फिल्म की रिलीज के मौके पर उनके पिता विजय ने भी बेटे का समर्थन किया था। एक रोड शो के दौरान विजय की फिल्म का पोस्टर दिया गया, जिसे उन्होंने हाथों में उठाकर समर्थकों को दिखाया। वहीं, परिवार के अन्य सदस्य चेन्नई के कमला सिनेमाज पहुंचे और फिल्म का पहला शो देखा।

'हनुमान अंश' बनाने पर पिता को लगा बेटी भटक गई



यूनिक समय, नई दिल्ली। महज 2 करोड़ रुपये के बजट में बनी फिल्म 'हनुमान अंश' ने दुनियाभर में 450 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई कर फिल्म इंडस्ट्री में तहलका मचा दिया है। इस फिल्म की सफलता के बाद इसकी निर्माता अनुप्रिया नागर भी सुर्खियों में हैं। हाल ही में उन्होंने बताया कि आखिर उन्हें इस फिल्म को बनाने की प्रेरणा कहाँ से मिली और उनके इस फैसले पर परिवार की क्या प्रतिक्रिया थी। 21 वर्षीय अनुप्रिया नागर ने ब्रिटेन से अर्थशास्त्र की पढ़ाई की है। उनका सपना विदेश में अच्छी नौकरी करना था। यहां तक कि वह एप्पल कंपनी में नौकरी पाने के काफी करीब पहुंच गई थीं, लेकिन दूसरे चरण के साक्षात्कार में सफल नहीं हो सकी। इसके बाद उनकी जिंदगी ने नया मोड़ लिया। अनुप्रिया ने एप्पल के सह-संस्थापक स्टीव जॉब्स के शुरुआती जीवन के बारे में पढ़ना शुरू किया। इसी दौरान उन्हें उत्तराखंड के कैंची धाम और नीम करोली बाबा के बारे में जानकारी मिली। इसके बाद

अनुप्रिया नागर ने सुनाई पूरी कहानी

वह कैंची धाम पहुंची और बाबा की भक्त बन गईं। इसी आध्यात्मिक जुड़ाव ने उन्हें फिल्म 'हनुमान अंश' से जुड़ने की प्रेरणा दी। हालांकि, जब उन्होंने अपने पिता को फिल्म निर्माण में पैसा लगाने के फैसले के बारे में बताया, तो वह हैरान रह गए। अनुप्रिया के मुताबिक, उनके पिता को लगा कि विदेश से पढ़ाई करने और अच्छी नौकरी के अवसर मिलने के बावजूद बेटी अपना रास्ता भटक रही है। उन्हें चिंता थी कि अच्छी नौकरी छोड़कर फिल्म इंडस्ट्री में पैसा लगाना करियर के लिए बड़ा जोखिम साबित हो सकता है। लेकिन फिल्म की सफलता ने सभी को चौंका दिया। अनुप्रिया ने बताया कि जब उनके पिता लंदन से भारत लौटे और फिल्म देखने की इच्छा जताई, तब मुंबई के किसी भी सिनेमाघर में उन्हें टिकट नहीं मिल सकी।

'ईटा' के ट्रेलर में छाया श्रद्धा कपूर का नया अंदाज

लावणी कलाकार विठाबाई के किरदार में आएंगी नजर

यूनिक समय, नई दिल्ली। श्रद्धा कपूर की आने वाली फिल्म 'ईटा' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। इस बार अभिनेत्री अपने पुराने अंदाज से बिल्कुल अलग भूमिका में दिखाई देंगी। फिल्म में वह महाराष्ट्र की मशहूर लावणी और तमाशा कलाकार विठाबाई भाऊ मांग नारायणगांवकर का किरदार निभा रही हैं। ट्रेलर में चुंगरुओं की खनक, लावणी की थाप, रंगीन मंच और एक कलाकार के संघर्ष की कहानी देखने को मिल रही है। श्रद्धा का पारंपरिक मराठी लुक और दमदार नृत्य दर्शकों का ध्यान खींच रहा है। फिल्म में उनके किरदार के शुरुआती संघर्ष से लेकर लोककला की दुनिया



में पहचान बनाने तक का सफर दिखाया जाएगा। खास बात यह है कि 'स्त्री' जैसी हॉरर-कॉमेडी फिल्मों में नजर आ चुकी श्रद्धा इस बार एक गंभीर और चुनौतीपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। फिल्म के जरिए महाराष्ट्र की लोकसंस्कृति और पारंपरिक कलाओं को बड़े पर्दे पर दिखाने की

कोशिश की गई है। विठाबाई नारायणगांवकर को उनकी कला और योगदान के लिए 'तमाशा सम्राज्ञी' के नाम से भी जाना जाता है। उन्होंने अपना पूरा जीवन लावणी और तमाशा कला को समर्पित कर दिया था। फिल्म में श्रद्धा कपूर के साथ रणदीप हुड्डा और मोहम्मद जोशान अय्यूब भी अहम भूमिकाओं

में नजर आएंगे। रणदीप हुड्डा फिल्म में विठाबाई के पति अन्ना सावंत मर्चेंट का किरदार निभा रहे हैं। इसके अलावा अनंत जोशी, सिद्धार्थ जाधव, अक्षरा सिंह और उल्का गुप्ता भी फिल्म का हिस्सा हैं। फिल्म का निर्देशन लक्ष्मण उतेकर ने किया है, जबकि इसकी कहानी और पटकथा क्षितिज पटवर्धन ने लिखी है। दिनेश विजान, लक्ष्मण उतेकर और करिश्मा शर्मा ने मैडॉक फिल्म्स और कठपुतली क्रिएशंस के बैनर तले इसका निर्माण किया है। फिल्म का संगीत अजय-अतुल ने तैयार किया है, जो इसकी कहानी में लोकसंगीत का खास रंग जोड़ने वाला है। पहले यह फिल्म अगस्त में रिलीज होने वाली थी, लेकिन इसकी तारीख बदल दी गई। अब श्रद्धा कपूर की 'ईटा' 4 दिसंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

आईपीएल 2027 में मुंबई इंडियंस का नया कोचिंग स्टाफ घोषित

यूनिक समय, नई दिल्ली। आईपीएल 2027 से पहले मुंबई इंडियंस ने अपनी नई कोचिंग टीम का ऐलान कर दिया है। टीम ने पूर्व भारतीय बल्लेबाज रॉबिन उथप्पा, न्यूजीलैंड के पूर्व तेज गेंदबाज मिचेल मैक्लेनघन, पूर्व भारतीय फील्डिंग कोच टी. दिलीप और धवल कुलकर्णी को अपने कोचिंग स्टाफ में शामिल किया है। इस बार टीम की कमान बतौर मुख्य कोच वेस्टइंडीज के दिग्गज खिलाड़ी कायरन पोलार्ड संभालेंगे, जिन्हें हाल ही में यह जिम्मेदारी सौंपी गई थी। नए कोचिंग स्टाफ में रॉबिन उथप्पा को बल्लेबाजी कोच, मिचेल मैक्लेनघन को गेंदबाजी कोच, टी. दिलीप को फील्डिंग कोच और धवल कुलकर्णी को डेवलपमेंट बॉलिंग कोच बनाया गया है। खास



बात यह है कि इनमें से कई चेहरे पहले भी मुंबई इंडियंस के लिए खेल चुके हैं। रॉबिन उथप्पा साल 2007 में टी20 विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रहे हैं और उनके पास अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का अच्छा अनुभव है। वहीं, मिचेल मैक्लेनघन न्यूजीलैंड

के लिए लंबे समय तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेल चुके हैं। धवल कुलकर्णी भी भारतीय टीम का हिस्सा रह चुके हैं, जबकि टी. दिलीप भारतीय क्रिकेट टीम के साथ फील्डिंग कोच के रूप में काम कर चुके हैं। मुंबई इंडियंस का मानना है कि अनुभवी कोचिंग टीम

खिलाड़ियों के प्रदर्शन को बेहतर बनाने और टीम को मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभाएगी। खास बात यह भी है कि रॉबिन उथप्पा, मिचेल मैक्लेनघन और धवल कुलकर्णी पहले मुंबई इंडियंस की ओर से खिलाड़ी के तौर पर मैदान पर उतर चुके हैं। ऐसे में उनकी टीम में वापसी को पुरानी टीम से दोबारा जुड़ने के तौर पर देखा जा रहा है। वहीं, कायरन पोलार्ड भी करीब 10 साल तक मुंबई इंडियंस के लिए खेलते हुए टीम के प्रमुख मैच विजेताओं में शामिल रहे हैं। अब नए कोचिंग स्टाफ के सामने सबसे बड़ी चुनौती मुंबई इंडियंस को फिर से खिताब दिलाने की होगी। टीम ने आखिरी बार साल 2020 में आईपीएल ट्रॉफी जीती थी और उसके बाद से खिताब का इंतजार कर रही है।

अर्नब तूफान से यूपी में बदला मौसम, 20 शहरों में बारिश

यूनिक समय, लखनऊ। चक्रवाती तूफान अर्नब के असर से उत्तर प्रदेश में मौसम का मिजाज बदल गया है। शुक्रवार सुबह से आगरा, मथुरा, लखनऊ, नोएडा और जौनपुर समेत करीब 20 शहरों में रुक-रुककर बारिश हो रही है। तेज और ठंडी हवाओं के कारण तापमान में गिरावट आई है। कई स्थानों पर दिन में भी अंधेरा छाया रहा।

मौसम विभाग ने प्रदेश के सभी 75 जिलों में बारिश की चेतावनी जारी की है। गोरखपुर, अयोध्या और मुरादाबाद समेत 21 जिलों में भारी बारिश की आशंका जताई गई है। कुछ क्षेत्रों में तेज आंधी के साथ ओले गिरने की भी संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार शनिवार को भी मौसम खराब रह सकता है।

जौनपुर में पिछले 24 घंटे से रुक-



रुककर बारिश हो रही है। तेज हवाओं के कारण खेतों में खड़ी धान की फसल गिर गई है।

पहले से काटकर रखी गई फसल भी बारिश से खराब होने के खतरे में है। चित्रकूट, गाजीपुर और कौशांबी में भी बारिश के साथ ठंडी हवाएं चल रही हैं।

हैं।

मथुरा में शुक्रवार सुबह से रिमझिम बारिश जारी है। तेज हवाओं से ठंडक बढ़ गई है। इसके बावजूद श्रद्धालु बांकेबिहारी मंदिर में दर्शन करने पहुंचे। वाराणसी में तापमान 22 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया और हवा की

75 जिलों में मौसम विभाग ने जारी किया वर्षा का अलर्ट

जौनपुर में धान की फसल गिरी, तापमान में आई गिरावट

गति 30 किलोमीटर प्रति घंटे रही।

गुरुवार को भी लखनऊ अयोध्या, गाजियाबाद और गोरखपुर समेत 18 जिलों में बारिश हुई थी। सहारनपुर में आकाशीय बिजली गिरने से बड़ी मस्जिद की मीनार प्रभावित हुई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को सतर्क रहने और आवश्यक व्यवस्थाएं बनाए रखने के निर्देश दिए हैं।

यूपी में भाजपा अंगद का पैर कोई हिला नहीं सकता: शाह



यूनिक समय, लखनऊ। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को लखनऊ में भाजपा की प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में कार्यकर्ताओं को वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारी का मंत्र दिया। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में भाजपा अंगद का पैर है, जिसे कोई हिला नहीं सकता। कार्यकर्ता अर्जुन की तरह लक्ष्य पर नजर रखें और तीसरी बार सरकार बनाने के लिए पूरी ताकत लगाएं।

शाह ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने प्रदेश से माफिया का सफाया किया है। कानून व्यवस्था में सुधार के कारण निवेश और रोजगार के अवसर बढ़े हैं। उन्होंने कहा कि सपा और बसपा के कार्यकाल की तुलना में योगी सरकार ने अधिक काम किया है। प्रदेश में 50 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव आए हैं।

तीसरी बार सरकार बनने पर समान नागरिक संहिता लागू करने का एलान शाह ने कहा कि उत्तर प्रदेश में भाजपा की तीसरी बार सरकार बनने पर

योगी सरकार की तारीफ कर माफिया पर कार्रवाई को सराहा

कार्यकर्ताओं से मनमुटाव भुलाकर 2027 की तैयारी में जुटने को कहा

समान नागरिक संहिता लागू की जाएगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आपसी नाराजगी और मनमुटाव गोमती नदी में बहाकर जाने को कहा। साथ ही चेतावनी दी कि चुनाव के दौरान वे कार्यकर्ताओं से उनके कामकाज का हिसाब भी पूछेंगे।

उन्होंने राहुल गांधी और अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि वर्ष 2027 में भाजपा की जीत से उन्हें जवाब दिया जाएगा। बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक और प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी सहित ढाई हजार से अधिक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बुलंदशहर में मकान ढहा चाचा-भतीजे की मृत्यु



यूनिक समय, बुलंदशहर। छतारी कस्बे में गुरुवार देर रात दो मंजिला मकान अचानक ढहने से चाचा और भतीजे की मौत हो गई, जबकि 70 वर्षीय मां घायल हो गई। हादसा रात करीब 12:30 बजे हुआ। उस समय परिवार के तीनों सदस्य घर में सो रहे थे। मकान गिरने की तेज आवाज सुनकर आसपास के लोग बाहर निकल आए और बचाव कार्य में जुट गए।

जानकारी के अनुसार, राजेश (30) अपनी मां चंद्रकला (70) के साथ रहते थे। गुरुवार रात राजेश अपने भतीजे सचिन (16) के साथ कमरे में थे। अचानक मकान भरभराकर गिर गया और तीनों मलबे में दब गए।

बताया गया कि मकान करीब 450 वर्गफीट में पांच साल पहले बनाया गया था। इसमें भूतल पर एक कमरा और

आधी रात सोते समय भरभराकर गिरा दो मंजिला मकान

तीन घंटे तक चले बचाव अभियान में निकाले गए तीनों

ब्रामदा तथा पहली मंजिल पर एक कमरा था।

सूचना मिलने पर छतारी पुलिस, अग्निशमन विभाग, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल और राज्य आपदा मोचन बल की टीमें मौके पर पहुंची। अलीगढ़ से विशेष बचाव वाहन भी बुलाया गया। करीब तीन घंटे चले अभियान के बाद तीनों को मलबे से बाहर निकाला गया।

घायलों को अलीगढ़ मेडिकल कॉलेज भेजा गया, जहां चिकित्सकों ने राजेश और सचिन को मृत घोषित कर दिया। चंद्रकला का उपचार जारी है। उनकी हालत खतरे से बाहर बताई गई है। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सूचना पर एसपी देहात अंतरिक्ष जैन भी मौके पर पहुंचे।

नोएडा में 23वीं मंजिल से गिरकर पिता-पुत्र की मौत, मचा कोहराम

बेटे को बचाने की कोशिश में पिता भी संतुलन खो बैठे

खाटू श्याम दर्शन की तैयारी कर रहा था परिवार



वह रेलिंग के बाहर की ओर लटक गया। उसे बचाने के लिए रणदीप दौड़े, लेकिन उनका पैर भी फिसल गया। दोनों 23वीं मंजिल से नीचे गिर गए।

हादसे के समय रणदीप की पत्नी अमृता कमरे में तैयार हो रही थी। आवाज सुनकर बालकनी में पहुंची तो पति और बेटा वहां नहीं मिले। नीचे देखने पर दोनों के शव दिखाई दिए। परिवार मूलरूप से पश्चिम बंगाल का रहने वाला था। शुक्रवार को सभी को खाटू श्याम दर्शन के लिए जाना था।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस उपायुक्त प्रवीन रंजन सिंह ने बताया कि मामले की सभी पहलुओं से जांच की जा रही है।

पीईटी परीक्षा में सख्ती की हद, कहीं बाल खुलवाए तो कहीं उतरवाए जूते

यूनिक समय, प्रयागराज। उत्तर प्रदेश प्रारंभिक अर्हता परीक्षा (पीईटी)-2026 के दूसरे दिन शुक्रवार को प्रदेश के 60 जिलों में कड़ी जांच के बीच अभ्यर्थियों को प्रवेश दिया गया। कई केंद्रों पर तलाशी के दौरान अभ्यर्थियों को असुविधा का सामना करना पड़ा। बरेली और हाथरस में महिला अभ्यर्थियों के बाल और जूड़े खुलवाकर जांच की गई। वहीं प्रयागराज, लखनऊ और प्रतापगढ़ में पुरुष अभ्यर्थियों के जूते-मोजे उतरवाए गए। गोरखपुर में कड़े और रुमाल तक निकलवा लिए गए।

सीतापुर, झांसी और हरदोई में महिला अभ्यर्थियों के मंगलसूत्र, बालियां, पायल और कड़े उतरवाए गए। अलीगढ़ में पर्स, बेल्ट और कृत्रिम



आभूषण ले जाने पर रोक रही। प्रदेश के 1,372 केंद्रों पर करीब 11.80 लाख अभ्यर्थियों के दो पालियों में परीक्षा देने की व्यवस्था की गई। परीक्षा के कारण 60 जिलों में कक्षा 12 तक के स्कूल बंद रखे गए।

प्रतापगढ़, भदोही और आजमगढ़ में बारिश के बीच अभ्यर्थी परीक्षा देने पहुंचे। रायबरेली से हाथरस पहुंचे एक अभ्यर्थी ने रात रेलवे स्टेशन के बाहर गुजारने की परेशानी बताई। इटावा में परीक्षा केंद्र जा रही कार पलटने से

60 जिलों में 1372 केंद्रों पर करीब 11.80 लाख अभ्यर्थी शामिल जांच के दौरान जेवर कड़े, वलेचर और रुमाल भी उतरवाए

चालक घायल हो गया, जबकि अभ्यर्थी सुरक्षित रही।

पहले चरण की परीक्षा 25 अक्टूबर को हुई थी, जिसमें 8.27 लाख अभ्यर्थी शामिल हुए थे। अंतिम चरण की परीक्षा एक नवंबर को होगी। कुल 35.41 लाख अभ्यर्थियों ने पंजीकरण कराया है।

पीईटी परीक्षा से आगरा की सड़कें जाम, रेंगते रहे वाहन

यूनिक समय, आगरा। शुक्रवार को प्रारंभिक अर्हता परीक्षा (पीईटी) के चलते आगरा की यातायात व्यवस्था चरमरा गई। दो पालियों में करीब 45 हजार परीक्षार्थियों के परीक्षा केंद्रों पर पहुंचने से शहर के प्रमुख मार्गों पर लंबा जाम लग गया। एमजी रोड, सिकंदरा, बोदला, शाहगंज और सुल्तानगंज पुलिया पर वाहन रेंगते नजर आए। जाम के कारण कई लोग देर से कार्यालय पहुंचे। पहली पाली की परीक्षा सुबह 10 बजे शुरू हुई, जबकि दूसरी पाली दोपहर तीन बजे से निर्धारित थी। सुल्तानगंज पुलिया से भगवान टॉकीज और सिकंदरा से बोदला तक वाहनों

की कतारें लगीं रही। कोठी मीना बाजार क्षेत्र में भी यातायात प्रभावित हुआ। सुबह हुई बारिश ने परेशानी और बढ़ा दी। कई परीक्षार्थियों को केंद्रों तक पहुंचने में देरी हुई। इस दौरान ऑटो और ई-रिक्शा चालकों पर मनमाना किराया वसूलने के आरोप भी लगे। यातायात नियंत्रित करने के लिए पुलिसकर्मियों प्रमुख चौराहों पर तैनात रहे। परीक्षा के मद्देनजर प्रशासन ने 12वीं तक के स्कूल गुरुवार को ही बंद रखने के आदेश दिए थे। इसके बावजूद सड़कों पर दबाव बना रहा। शाम सात बजे तक भीड़ रहने की आशंका जताई गई।

भूटान में ग्लेशियर झील फटी भारत में बाढ़ का खतरा



यूनिक समय, नई दिल्ली। भूटान में गुरुवार देर रात शिंताफू ग्लेशियर झील फटने से भारी तबाही मच गई। झील से निकले पानी के तेज बहाव ने कई सड़कों और बुनियादी सुविधाओं को नुकसान पहुंचाया। भूटान का प्रसिद्ध गासा त्साचू गर्म पानी का कुंड पूरी तरह बह गया, जबकि पुनाखा-गासा राजमार्ग का एक हिस्सा क्षतिग्रस्त होने से यातायात बंद करना पड़ा। फिलहाल किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

झील से निकले पानी के कारण संकोश नदी का जलस्तर बढ़ गया है। यह नदी भूटान से निकलकर भारत में प्रवेश करती है और आगे ब्रह्मपुत्र नदी

बंगाल-असम में अलर्ट जारी, दस हजार लोग सुरक्षित स्थानों पर पहुंचे

संकोश नदी का बढ़ा जलस्तर, सीमावर्ती इलाकों में सतर्कता

में मिल जाती है। इसी को देखते हुए पश्चिम बंगाल और असम के सीमावर्ती इलाकों में बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। प्रशासन ने दोनों राज्यों में सतर्कता बढ़ा



दी है। पश्चिम बंगाल के अलीपुरद्वार में दस हजार से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों और राहत शिविरों में पहुंचाया गया है। रातभर सायरन बजाकर लोगों को घर खाली करने की चेतावनी दी गई। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल, राज्य आपदा मोचन बल और आपदा प्रबंधन की टीमें तैनात की गई हैं।

भूटान के गासा जिले के लुंगो और लाया क्षेत्र में स्थित शिंताफू तशो झील से 29 अक्टूबर की शाम पानी निकलना शुरू हुआ। यह झील वाकिला पर्वत के नीचे स्थित है और संभावित खतरनाक ग्लेशियर झीलों में शामिल है। पानी का तेज बहाव ताकत्सेमाखांग इलाके तक पहुंचा। इससे सोलार सिंचाई

व्यवस्था को नुकसान पहुंचा और गांवों में पानी घुस गया।

पुनाखा-गासा राजमार्ग पर पेड़ और मलबा जमा हो गया। लाया गांव की ओर जाने वाली सड़क का हिस्सा भी बह गया। कई स्थानों पर आवागमन रोकना पड़ा है।

भारत में संकोश नदी के आसपास पश्चिम बंगाल के अलीपुरद्वार, जलपाईगुड़ी तथा असम के कोकराझार और धुबरी के निचले इलाकों में बाढ़ की आशंका जताई गई है। प्रशासन ने नदी किनारे रहने वाले लोगों को सतर्क रहने और सुरक्षित स्थानों पर जाने की सलाह दी है। राहत एवं बचाव दल स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं।

ज्ञानेश कुमार के खिलाफ जन महाभियोग कार्यक्रम टला, कल होगा

यूनिक समय, नई दिल्ली। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ विपक्ष का जनमहाभियोग कार्यक्रम बारिश के कारण एक दिन के लिए टाल दिया गया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर शुक्रवार को होने वाला कार्यक्रम अब शनिवार को आयोजित होगा। राहुल गांधी ने इसकी जानकारी देते हुए कहा कि यह लड़ाई संविधान और लोकतंत्र को बचाने की है।

राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि सरकार दिल्ली आने वाले प्रदर्शनकारियों को रोकने का प्रयास कर रही है। राजस्थान, पंजाब, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार और तेलंगाना सहित कई राज्यों से लोग रैली में शामिल होने आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि एक नवंबर को रामलीला मैदान में होने वाला मार्च किसी राजनीतिक दल का नहीं, बल्कि देश के संविधान और

बारिश के चलते राहुल गांधी ने कार्यक्रम आगे बढ़ाया

एक नवंबर को रामलीला मैदान में विपक्ष की बड़ी रैली

लोकतंत्र की रक्षा का अभियान है। विपक्षी गठबंधन इंडिया एक नवंबर को 'वोट बचाओ, देश बचाओ' रैली करेगा। इसमें विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली का विरोध किया जाएगा। विपक्ष मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग भी कर रहा है।

इस बीच व्यापारिक संगठन ने रैली से बाजारों में कारोबार प्रभावित होने और यातायात बाधित होने की आशंका जताते हुए इसे स्थगित करने की अपील की है।

किसान सम्मान निधि की 24वीं किस्त जारी करोड़ों किसानों को लाभ

14 हजार करोड़ की परियोजनाओं का लोकार्पण, दो ट्रेनों को हरी झंडी

करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। दो नई रेल सेवाओं को हरी झंडी दिखाई। शनिवार को वह सरदार वल्लभभाई पटेल की 151वीं जयंती पर एकता नगर में राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह में शामिल होंगे।

सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी कहा- मंत्रालय ने एनसीएलटी एनसीएलएटी पर कब्जा किया

यूनिक समय, नई दिल्ली। सर्वोच्च न्यायालय ने राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) और राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) के कामकाज को लेकर कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय की कड़ी आलोचना की है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय पीठ ने टिप्पणी की कि मंत्रालय ने दोनों महत्वपूर्ण संस्थाओं को पूरी तरह अपने नियंत्रण में ले लिया है। इससे उनकी स्वायत्तता प्रभावित हो रही है। अदालत ने यह टिप्पणी दोनों संस्थाओं में कार्यरत संविदा कर्मचारियों की याचिका पर सुनवाई के दौरान की। याचिका में लंबे समय से काम कर रहे कर्मचारियों को अचानक हटाए जाने का विरोध किया गया है। कर्मचारियों की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता मीनाक्षी अरोड़ा ने कहा कि छह वर्षों से कार्यरत लोगों को बिना उचित प्रक्रिया के नौकरी से नहीं हटाया जाना चाहिए।

सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि दोनों न्यायाधिकरणों के अध्यक्षों को नियुक्तियों के मामले में पूरी स्वतंत्रता मिलनी चाहिए। उन्होंने संविदा व्यवस्था के बजाय सरकारी विभागों से



न्यायाधिकरणों की स्वायत्तता खत्म होने पर जताई गहरी नाराजगी

नियमित भर्ती और अध्यक्षों को स्वतंत्र अधिकार देने का सुझाव

अनुभवी अधिकारियों को प्रतिनियुक्ति पर लाने का सुझाव दिया।

पीठ ने संघ लोक सेवा आयोग और कर्मचारी चयन आयोग के माध्यम से चरणबद्ध तरीके से नियमित भर्ती करने की भी बात कही। अदालत ने कहा कि मंत्रालय का अत्यधिक नियंत्रण संस्थाओं की स्वतंत्रता के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है।

पंजाब चुनाव के लिए आप का शंखनाद कल जारी होगी पहली सूची

यूनिक समय, नई दिल्ली। पंजाब में 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर आम आदमी पार्टी ने तैयारियां तेज कर दी हैं। शुक्रवार को दिल्ली में हुई महत्वपूर्ण बैठक में उम्मीदवारों के चयन पर मंथन किया गया। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने बताया कि पार्टी शनिवार, 31 अक्टूबर को दोपहर करीब 12 बजे प्रत्याशियों की पहली सूची जारी करेगी।

बताया जा रहा है कि दो बार विधानसभा चुनाव जीत चुके नेताओं को प्राथमिकता दी जा सकती है। पार्टी चाहती है कि अन्य दलों से पहले उम्मीदवारों की घोषणा कर सभी विधानसभा क्षेत्रों में प्रचार शुरू किया जाए। पंजाब की 117 सदस्यीय विधानसभा में आप के 94 विधायक हैं। पार्टी एक नवंबर से महिला मतदाताओं के बीच विशेष जनसंपर्क अभियान भी शुरू करेगी। इसके तहत महिला नेता और कार्यकर्ता घर-घर

दिल्ली में बैठक के बाद उम्मीदवारों के नामों पर लगी मुहर

सभी विधानसभा क्षेत्रों में प्रचार और जनसंपर्क अभियान तेज

जाकर सरकार की योजनाओं और मावां-धीयां सत्कार योजना की जानकारी देगी।

मुख्यमंत्री भगवंत मान स्वयं विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में जाकर लोगों से मुलाकात कर रहे हैं। पार्टी ने सभी क्षेत्रों में प्रभारी और क्षेत्रीय पदाधिकारी नियुक्त करने की प्रक्रिया भी तेज कर दी है। कार्यकर्ताओं से जनता का रुझान और सरकारी योजनाओं पर प्रतिक्रिया जुटाई जा रही है। आने वाले दिनों में बड़ी जनसभाएं करने की भी तैयारी है।

आतंकी फंडिंग नेटवर्क का भंडाफोड़ लश्कर से जुड़े दस गिरफ्तार

यूनिक समय, नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने शोपियां में आतंकी फंडिंग से जुड़े नेटवर्क का पर्दाफाश करते हुए लश्कर-ए-तैयबा और द रेंजिस्टर्स फ्रंट से जुड़े 10 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, आरोपियों के संबंध विभिन्न जेलों में बंद आतंकियों और उनके सहयोगियों से थे।

मामले में और गिरफ्तारियां होने की संभावना है। जांच में सामने आया कि आरोपी आम लोगों से गुपचुप तरीके से धन जुटाते थे। इसके बाद वित्तीय माध्यमों से यह रकम आतंकियों तक पहुंचाई जाती थी। पुलिस के मुताबिक, इस धन से आतंकियों को स्मार्टफोन और अन्य जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती थीं। गिरफ्तार आरोपी शोपियां, पुलवामा और कटुआ के निवासी हैं। इनमें ओवैस शफी नाइकू, तजामुल अहमद शाह, मोज इब्राल, इमदाद यूसुफ गनई, साकिब जहूर वानी, लियाकत नजीर लोन, आमिर अहमद गनई,

आम लोगों से गुपचुप धन जुटाकर आतंकियों तक पहुंचाते थे आरोपी

68 दिनों में जम्मू-कश्मीर पुलिस ने 28 सहयोगी पकड़े

फिरदौस ठोकर, मोहम्मद हनीफ और काजू शामिल हैं। पुलिस ने विभिन्न भुगतान माध्यमों से हुए संदिग्ध ऑनलाइन लेनदेन की जांच की। इसी दौरान आतंकी फंडिंग नेटवर्क का पता चला। शोपियां थाने में मामला दर्ज कर जांच की जा रही है। पिछले 68 दिनों में जम्मू-कश्मीर में 28 आतंकी सहयोगी गिरफ्तार किए जा चुके हैं।

भारत सरकार के अनुसार, रेंजिस्टर्स फ्रंट वर्ष 2019 में अनुच्छेद 370 हटाने के बाद सामने आया और इसे लश्कर-ए-तैयबा का सहयोगी संगठन माना जाता है।

चक्रवात अर्नब का असर ओडिशा के तीन जिलों में बाढ़

यूनिक समय, नई दिल्ली। चक्रवाती तूफान अर्नब कमजोर होकर कम दबाव के क्षेत्र में बदल गया है, लेकिन इसका असर देश के कई राज्यों में दिखाई दे रहा है। मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और राजस्थान समेत 14 राज्यों में आंधी और बारिश का दौर जारी है। मौसम विभाग ने अगले दो दिनों के लिए कई राज्यों में रेड और ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। बारिश और ठंडी हवाओं के चलते तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई है।

ओडिशा के गंजाम, गजपति और कंधमाल जिलों में भारी बारिश से बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। गंजाम के करीब 300 गांवों का संपर्क टूट गया है, जबकि गंजाम और गजपति में लगभग 62 हजार लोग प्रभावित हुए हैं। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल की 54 टीमें राहत एवं बचाव कार्य में जुटी हैं। अब तक 120 लोगों को सुरक्षित हवाई

62 हजार लोग प्रभावित, 54 बचाव दलों ने संभाला मोर्चा

मध्य प्रदेश, यूपी समेत 14 राज्यों में बारिश का अलर्ट

मार्ग से निकाला गया है।

दिल्ली में गुरुवार रात बारिश हुई। यहां अधिकतम तापमान 25.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो पिछले दिन से 6.4 डिग्री कम रहा। यह पिछले चार वर्षों में अक्टूबर का सबसे कम अधिकतम तापमान है। मौसम विभाग के अनुसार 31 अक्टूबर को बिहार, आंध्र प्रदेश और रायलसीमा में बारिश की संभावना है। एक नवंबर को ओडिशा, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और कर्नाटक सहित कई राज्यों में बारिश का यलो अलर्ट जारी किया गया है।

बनासकांठा के किसान पहले ही आलू से सोना बना रहे: मोदी

यूनिक समय, नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को गुजरात के बनासकांठा में आलू उत्पादन और किसानों की मेहनत का जिक्र करते हुए विपक्ष पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि बनासकांठा का आलू दुनियाभर में प्रसिद्ध है। यहां आकर कोई किसान से यह नहीं कहता कि आलू से सोना बनाएंगे, क्योंकि यहां के किसान पहले से ही आलू से सोना बना रहे हैं। उनका इशारा खेती से किसानों की कमाई और मेहनत की ओर था।

सभा में कुर्सियों की जगह चारपाइयों पर लोगों के बैठने की व्यवस्था की गई थी। इस पर प्रधानमंत्री ने कहा कि देश के लोगों के लिए यह अजूबा होगा। बनासकांठा के लोगों ने गांवों की पुरानी परंपरा को जीवित रखा है। यह दृश्य गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज हो सकता था।



प्रधानमंत्री ने किसान सम्मान निधि की 24वीं किस्त जारी की। इसके तहत 9.34 करोड़ से अधिक किसान परिवारों को 18,690 करोड़ रुपये से ज्यादा की सहायता मिलेगी। गुजरात के 50 लाख से अधिक किसानों को भी इसका लाभ मिलेगा।

मोदी ने कहा कि किसानों की आय

बढ़ाने के लिए आधुनिक तकनीक, सिंचाई और पशुपालन को बढ़ावा दिया जा रहा है। पशुओं के टीकाकरण और बेहतर नस्ल के लिए आईवीएफ तकनीक उपयोगी साबित होगी। उन्होंने गोबर से बायोगैस और जैविक खाद बनाने पर भी जोर दिया।

इस दौरान प्रधानमंत्री ने 14 हजार

दान में मिली धातु की शुद्धता बताएगी मशीन, दानदाता को मिलेगी रिपोर्ट

यूनिक समय, मथुरा। श्रीकृष्ण जन्मस्थान पर श्रद्धालुओं के दान में पारदर्शिता और विश्वसनीयता बढ़ाने के लिए अत्याधुनिक व्यवस्था शुरू की गई है। अब भगवान श्रीकृष्ण को अर्पित की जाने वाली सोना-चांदी सहित अन्य धातुओं की शुद्धता वैज्ञानिक तरीके से परखी जाएगी। खास बात यह है कि धातु को काटे या तोड़े बिना उसकी जांच होगी और दानदाता को परीक्षण रिपोर्ट भी उपलब्ध कराई जाएगी।

शुक्रवार को श्रीकृष्ण जन्मस्थान परिसर में कम्प्यूटराइज्ड धातु परीक्षण मशीन का शुभारंभ ट्रस्टी श्यामसुंदर बौधरी, सचिव कपिल शर्मा और प्रबंध समिति सदस्य गोपेश्वर नाथ चतुर्वेदी की उपस्थिति में हुआ। मशीन से धातु की शुद्धता के साथ उसमें शामिल विभिन्न धातुओं की मात्रा का भी पता चल सकेगा। सचिव कपिल शर्मा ने बताया कि अब दानदाता के सामने ही धातु का परीक्षण किया जाएगा। जांच



कम्प्यूटराइज्ड धातु परीक्षण मशीन के शुभारंभ के मौके पर सचिव कपिल शर्मा, गोपेश्वर नाथ चतुर्वेदी आदि।

के बाद दान स्वीकार कर रसीद जारी होगी और रिपोर्ट की एक प्रति दानदाता को दी जाएगी। इस पर उसके हस्ताक्षर और मोबाइल नंबर भी दर्ज होंगे, जबकि दूसरी प्रति संस्थान के अभिलेखों में सुरक्षित रखी जाएगी। इससे श्रद्धालुओं को अपनी भेंट की वास्तविक गुणवत्ता का प्रमाण मिल सकेगा। उन्होंने बताया कि बाजार से सोना-चांदी अथवा अन्य धातु की

सामग्री खरीदकर अर्पित करने वाले श्रद्धालु भी इसकी शुद्धता तत्काल जान सकेंगे। मशीन की खासियत है कि परीक्षण के लिए सामग्री को काटने, तोड़ने या उसका स्वरूप बदलने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इससे भेंट की अखंडता भी बनी रहेगी। गोपेश्वर नाथ चतुर्वेदी ने बताया कि यह व्यवस्था सीधे काउंटर पर मिलने वाले दान तक सीमित नहीं रहेगी। हुंडी और दान

श्रीकृष्ण जन्मस्थान पर अत्याधुनिक कम्प्यूटराइज्ड मशीन से परीक्षण शुरू

बिना काटे-तोड़े होगी धातु की पहचान, हुंडियों की सामग्री भी जांच के दायरे में

पेटिकाओं से प्राप्त धातु सामग्री का परीक्षण भी दान गणना कक्ष में निर्धारित प्रक्रिया के तहत सीसीटीवी निगरानी में किया जाएगा। परीक्षण के बाद सामग्री की संरचना और उसमें मौजूद धातुओं का विवरण अभिलेखों में दर्ज होगा। इससे धातुओं के वर्गीकरण, सुरक्षित भंडारण और भविष्य में उनके उपयोग की व्यवस्था भी अधिक पारदर्शी और व्यवस्थित हो सकेगी।

सीआईआरजी में जुटे किसान



सीआईआरजी में आयोजित कार्यक्रम में मौजूद केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी आदि।

यूनिक समय, फरह। मखदूम स्थित केंद्रीय बकरी अनुसंधान संस्थान (सीआईआरजी) में शुक्रवार को पीएम-किसान उत्सव दिवस पर विशेष कार्यक्रम हुआ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा पीएम-किसान सम्मान निधि की 24वीं किस्त जारी किए जाने के समारोह का सीधा प्रसारण किया गया। कार्यक्रम में केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जयंत चौधरी की मौजूदगी में करीब किसान और अन्य अतिथि शामिल हुए।

केंद्रीय मंत्री ने किसानों के हित में संचालित सरकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि कृषि को लाभकारी बनाने और किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत करने के लिए सरकार प्रयासरत है। उन्होंने वैज्ञानिक खेती और पशुपालन अपनाने के साथ बकरी पालकों को एफपीओ और स्वयं सहायता समूह बनाकर अपने उत्पादों

केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी ने किसानों को वैज्ञानिक खेती और बकरी पालन अपनाने के लिए किया प्रेरित

की मार्केटिंग करने के लिए प्रेरित किया। संस्थान के निदेशक डॉ. मनीष कुमार चेतली ने कहा कि सीआईआरजी अनुसंधान, प्रशिक्षण और तकनीकी मार्गदर्शन से बकरी पालन को बढ़ावा दे रहा है। वैज्ञानिकों ने किसानों को मृदा स्वास्थ्य, उर्वरता संरक्षण और टिकाऊ कृषि पद्धतियों की जानकारी दी। 'खेत बचाओ अभियान' के तहत प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और कृषि-पशुपालन के समन्वित मॉडल पर जोर दिया गया। कार्यक्रम में विधायक योगेश नौहवार, विधायक सुभाष गर्ग, तेजपाल सिंह, प्रदीप चौधरी, पूर्व प्रमुख प्रीतम चौधरी उपस्थित रहे।

छाता चीनी मिल चालू कराने को किसानों से प्रशासन की वार्ता

यूनिक समय, मथुरा। छाता स्थित चीनी मिल को चालू कराने की मांग को लेकर धरना-प्रदर्शन कर रहे किसानों के प्रतिनिधिमंडल के साथ शुक्रवार को जिला प्रशासन ने वार्ता की। डीएम चंद्र प्रकाश सिंह और एसएसपी श्लोक कुमार की संयुक्त अध्यक्षता में आयोजित बैठक में किसानों ने मिल शुरू कराने सहित अपनी विभिन्न मांगें रखीं। प्रशासन और किसान प्रतिनिधियों के बीच बातचीत सकारात्मक माहौल में हुई। बैठक के बाद किसानों ने अपनी मांगों से संबंधित ज्ञापन डीएम और एसएसपी को सौंपा।

बैठक में डीएम ने किसानों से गन्ने की खेती का रकबा बढ़ाने की अपील की। उन्होंने कहा कि किसान अधिक

डीएम-एसएसपी की मौजूदगी में सकारात्मक माहौल में हुई बैठक

डीएम ने गन्ने की खेती बढ़ाने और गुणवत्तायुक्त बीज उपलब्ध कराने का दिया आश्वासन

से अधिक क्षेत्र में गन्ने की खेती करें। सरकार की ओर से किसानों के गन्ने की खरीद सुनिश्चित की जाएगी। इसके लिए किसानों को आश्वस्त किया गया कि गन्ने की अच्छी पैदावार के लिए गुणवत्तायुक्त बीज भी उपलब्ध कराया

ईवीएम-वीवीपैट वेयरहाउस का डीएम ने किया मासिक निरीक्षण

यूनिक समय, मथुरा। जिला निर्वाचन अधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने शुक्रवार को जनपद स्थित ईवीएम-वीवीपैट वेयरहाउस का मासिक बाहरी निरीक्षण किया। इस दौरान सपा, कांग्रेस और बसपा के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे।

डीएम ने वेयरहाउस की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया और सीसीटीवी कंट्रोल रूम के माध्यम से पूरे परिसर की निगरानी व्यवस्था देखी। निरीक्षण के दौरान एडीएम नमामि गंगे

राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में दिए साफ-सफाई और सतर्कता के निर्देश

नंद प्रकाश मौर्य, लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता गुलवीर सिंह, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी मनोज खंडेलवाल सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

संविदा कर्मों की मौत में अधिकारियों पर मुकदमा

यूनिक समय, सुरीर/मांट। मांट स्थित 132 केवी बिजलीघर में ड्यूटी के दौरान करंट से झुलसे संविदा कर्मों की दिल्ली एम्स में उपचार के दौरान मौत हो गई। युवक की मौत से परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों ने बिजली विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों पर सुरक्षा उपकरण दिए बिना बिजली लाइन पर काम कराने, लापरवाही बरतने का आरोप लगाया है। गांव जनकपुर निवासी यतेंद्र उर्फ भीमा (27) पुत्र विजय सिंह मांट बिजलीघर में संविदा कर्मचारी था। 24 अक्टूबर को शाम करीब चार बजे ड्यूटी के दौरान वह करंट की चपेट में आकर गंभीर रूप से झुलस गया था। उसे उपचार के लिए दिल्ली एम्स में भर्ती कराया गया, जहां 29/30 अक्टूबर की रात उसकी मौत हो गई। मृतक के चचेरे भाई श्रीनिवास ने पुलिस को तहरीर देकर बिजलीघर के अज्ञात अधिकारियों और कर्मचारियों को जिम्मेदार ठहराया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

शेरगढ़ में कल सजेगी रागनी की महफिल भाजपा नेता होंगे शामिल

यूनिक समय, शेरगढ़। सरदार वल्लभभाई पटेल जयंती के उपलक्ष्य में 31 अक्टूबर को कस्बे की अनाज मंडी में भव्य रागनी कॉम्पिटिशन आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश महामंत्री-विधायक राजेश चौधरी तथा जिलाध्यक्ष निर्भय पाण्डेय शामिल होंगे। आयोजक कपिल चैयरमैन और रिकू प्रधान, मंडल अध्यक्ष ने बताया कि आयोजन का उद्देश्य सरदार पटेल की जयंती पर सांस्कृतिक कार्यक्रम के माध्यम से क्षेत्रवासियों को जोड़ना है। लोक गायिका कोमल चौधरी, मुस्कान बेबी सहित अन्य कलाकार अपनी प्रस्तुतियां देंगे।

उठावनी
अत्यंत दुःख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि हमारे श्री राहुल अग्रवाल पुत्र स्व. श्री मोहनलाल अग्रवाल सराफ (गुरु) का आकस्मिक निधन दिनांक 30.10.2026 को हो गया है। उठावनी दिनांक 31.10.2026 दिन शनिवार को महिलाओं एवं पुरुषों की दोपहर 3 से 4 बजे तक नेशनल चैम्बर, सरस्वती कुंड मथुरा पर होगी।

स्व. राहुल अग्रवाल
शोककुल:- रासबिहारी अग्रवाल (ताउज्जी) शिवानी अग्रवाल (पत्नी) ओजस्वी, दिव्यम (पुत्र-पुत्री) मीनाक्षी-राजेश जी (बहन-बहनोई) ज्योती (बहन) एवं समस्त वृन्दावन वाला परिवार

ससुराल पक्ष: लक्ष्मन दास सुभाष जैन सराफ चौक बाजार ग्वालियर (मोप्रो) मो. 9425122669

एक क्लिक की चूक से खाली हो सकता है बैंक खाता



साइबर ठगी से जागरूकता को हुए कार्यक्रम में मौजूद विद्यार्थी आदि।

यूनिक समय, बलदेव। डिजिटल लेनदेन के बढ़ते चलन के साथ साइबर ठगी के मामले भी बढ़ रहे हैं। अनजान लिंक पर एक क्लिक या ओटीपी साझा करने की छोटी सी चूक बैंक खाता खाली कर सकती है। इससे बचाव के लिए वित्तीय साक्षरता केंद्र मथुरा की ओर से बलभद्र इंटर कॉलेज में एनसीसी कैडेट्स के लिए साइबर सुरक्षा जागरूकता सेमिनार आयोजित किया गया।

वित्तीय सलाहकार अमित चतुर्वेदी ने फिशिंग लिंक, फर्जी कॉल, क्यूआर कोड, सिम क्लोनिंग, स्क्रीन शेयरिंग और म्यूल अकाउंट के जरिए होने वाली ठगी की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अनजान लिंक न खोलें, अज्ञात क्यूआर कोड स्कैन न करें और किसी के साथ ओटीपी, एटीएम पिन या बैंक संबंधी गोपनीय जानकारी साझा न करें। उन्होंने आधार सुरक्षा के लिए एम-

बलभद्र इंटर कॉलेज में एनसीसी कैडेट्स को साइबर ठगी से बचाव के बताए तरीके

आधार एप के जरिए बायोमेट्रिक्स लॉक करने और ऑथेंटिकेशन हिस्ट्री देखने की जानकारी दी। साइबर ठगी होने पर तत्काल 1930 हेल्पलाइन या राष्ट्रीय साइबर अपराध पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराने की अपील की।

डीडीएम नाबाई अभिषेक शुक्ला ने विद्यार्थियों को शिक्षा ऋण की जानकारी देते हुए बताया कि विद्या लक्ष्मी पोर्टल के माध्यम से उच्च शिक्षा के लिए ऋण आवेदन किया जा सकता है। कार्यक्रम में प्रधानाचार्य अतुल चौधरी, एनसीसी प्रभारी सहित करीब 100 कैडेट्स उपस्थित रहे।

541 साल पुराने गौरांग महाप्रभु पधारे वृंदावन, दो नवंबर तक दर्शन



राधा दामोदर मंदिर में विराजमान गौरांग माहप्रभु।

यूनिक समय, वृंदावन। कार्तिक मास में धर्मनगरी में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ रहा है। इस बीच असम के सिलचर से 541 वर्ष प्राचीन ठाकुर गौरांग महाप्रभु वृंदावन पधारे हैं। ठाकुर जी 27 अक्टूबर को सप्त देवालयों में प्रमुख ठाकुर राधा दामोदर मंदिर पहुंचे। यहां 2 नवंबर तक श्रद्धालु उनके दर्शन कर सकेंगे।

मंदिर के सेवायत अंगसेवी दामोदर चंद्र गोस्वामी ने बताया कि मंदिर के बड़े गुसाईं आचार्य कनिका प्रसाद गोस्वामी के सानिध्य में कार्तिक मास के विशेष धार्मिक आयोजन किए जा रहे हैं। कार्तिक मास को दामोदर मास भी कहा जाता है। इस माह में भगवान के दर्शन, मंदिर परिक्रमा और दीपदान का विशेष महत्व है।

उन्होंने बताया कि ठाकुर गौरांग महाप्रभु की प्रतिमा लगभग 541 वर्ष पूर्व तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान,

राधा दामोदर मंदिर में देंगे दर्शन, असम के सिलचर से आए ठाकुर जी

वर्तमान बांग्लादेश में प्रकट हुई थी। मान्यता है कि चैतन्य महाप्रभु के दादा उपेंद्र नाथ मिश्र ने भगवान जगन्नाथ के आदेश पर प्रतिमा को प्रकट किया था। ठाकुर जी की आंखें भगवान जगन्नाथ के स्वरूप से मिलती-जुलती हैं, जो उनकी विशेष पहचान है। सिलचर में राधापद मिश्र द्वारा ठाकुर जी की नियमित सेवा-पूजा की जाती है।

वृंदावन आगमन पर श्रद्धालुओं ने ठाकुर जी के दर्शन कर पुण्य लाभ अर्जित किया। इस अवसर पर सुरेश शर्मा, गोपाल शरण शर्मा, महेश शर्मा, ओमप्रकाश घाटवाले, राधापति दास और अर्चना देवी दासी सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।